भाद्रपद कृष्ण - 13 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 29 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 21-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कुलदीप यादव एकदिवसीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके

6 संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग का ऐसा अपमान किसे स्वीकार्य होगा?

7 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का हिस्सा होंगे बॉबी देओल

फर्स्ट टेक

दीपावली-छठ के मौके पर बिहार के लिए 12000 ट्रेन सेवायें

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे दीपावली और छठ के अवसर पर बिहार के लिए 12000 से अधिक ट्रेन सेवायें संचालित करेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यहां बताया कि दीपावली और छठ के मौके पर होने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने इस दौरान 12000 से अधिक ट्रेन सेवायें संचालित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सांसद संजय झा और सांसद डॉ संजय जायसवाल की मौजूदगी में यह घोषणा की। बिहार के इन नेताओं ने रेल भवन में वैष्णव से मुलाकात की थी। उन्होंने बताया कि गया से दिल्ली के लिए नई अमृत भारत ट्रेन सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

स्टारलिंक ग्राहकों के सत्यापन के लिए करेगी 'आधार' का इस्तेमाल

नई दिल्ली/भाषा। अरबपति एलन मस्क की अगुवाई वाली स्टारलिंक भारत में ग्राहकों को जोड़ने से पहले उनके सत्यापन के लिए 'आधार' प्रमाणीकरण का इस्तेमाल करेगी। बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाएं देने वाली इकाई स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। स्टारलिंक ग्राहकों के सत्यापन के लिए 'आधार' प्रमाणीकरण का इस्तेमाल करेगी। स्टारलिंक के ग्राहक जोड़ने के पहले आधार का इस्तेमाल करने से पूरी प्रक्रिया सुचारू, सुरक्षित और बहुत आसान हो जाएगी। यूआईडीएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी भुवनेश कुमार और स्टारलिंक इंडिया के निदेशक पर्नील उर्ध्वरेषे की मौजूदगी में इस साझेदारी पर सहमति जताई गई।

बांग्लादेश में आम चुनाव अगले साल फरवरी में

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में 13वें संसदीय चुनाव होंगे। चुनाव आयोग के इस बाबत इसी सप्ताह एक ब्यौरेवार कार्ययोजना जारी किए जाने की संभावना है। चुनाव आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद ने सरकारी संस्था बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) को बताया कि चुनाव रोडमैप का एक मसौदा तैयार कर लिया गया है और इसे जल्द ही अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना चुनावों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अंतर-विभागीय समन्वय और संचालन संबंधी मुद्दों पर केंद्रित होगी।

21-08-2025 सूर्यास्त 6:26 बजे | 22-08-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
81,857.84 (+213.45)	25,050.55 (+69.90)

सोना	चांदी
10,418 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	127,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आओ सोचें नया

छोड़ें बीते कल की बातें,
हम लिखें नया इतिहास आज।
सबसे पहले हो राष्ट्रधर्म,
हों जाति मुक्त सारे समाज।
हो राजनीति भी दल विहीन,
गुणियों-सच्चों को मिले राज।
हर मन में हो सौहार्दभाव,
हर योग्य व्यक्ति को मिले काज।।

देश की जनता तय करेगी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री जेल से सरकार चलाएंगे या नहीं : शाह

■ **गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए गए और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक लोकसभा में पेश, संसद की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि अब देश की जनता को यह तय करना होगा कि क्या जेल में रहकर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री का सरकार चलाना उचित है।

इससे पहले, गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए गए और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किए गए, जिन्हें सदन ने अध्ययन के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला किया।

शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया।

शाह ने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आप को कानून के दायरे में लाने का संविधान संशोधन पेश किया है और दूसरी ओर ''कानून के दायरे से बाहर रहने, जेल से सरकारें चलाने एवं कुर्सी का मोह न छोड़ने के लिए'' कांग्रेस के नेतृत्व में पूरे विपक्ष ने इसका विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, अब देश की जनता को यह तय करना पड़ेगा कि क्या जेल में रहकर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री का सरकार चलाना उचित है?''

शाह ने कहा कि देश में राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी सरकार की प्रतिबद्धता और जनता के आक्रोश को देखकर उन्होंने संसद में लोकसभा अध्यक्ष की सहमति से संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश किया, ताकि महत्वपूर्ण संवैधानिक पद, जैसे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री जेल में रहते हुए सरकार न चला पाएं। उन्होंने लिखा, इस विधेयक का उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में गिरते जा रहे नैतिकता के स्तर को ऊपर उठाना और राजनीति में शुचिता लाना है। शाह ने कहा कि इन तीनों विधेयक से जो कानून अस्तित्व में आएगा, वह यह है कि: कोई भी व्यक्ति गिरफ्तार होकर जेल से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्र या राज्य सरकार के मंत्री के रूप में शासन नहीं चला सकता है।

97 तेजस जेट विमानों की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने भारतीय वायु सेना के लिए लगभग 85,000 करोड़ रुपये की लागत से 97 हल्के लड़ाकू तेजस विमान और छह उन्नत हवाई पूर्व चेतावनी और नियंत्रण (एईडब्ल्यू एंड सी) विमानों की प्रस्तावित खरीद को मंजूरी दे दी है। मामले से परिचित लोगों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि माना जाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने दोनों खरीद परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। जानकारी मिली है कि तेजस विमान की खरीद लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत से की जाएगी, जबकि एईडब्ल्यू एंड सी विमानों की खरीद के लिए सरकारी खजाने से लगभग 18,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रक्षा मंत्रालय ने 97 एलसीए तेजस (एमके-1ए) लड़ाकू विमानों की खरीद का फैसला किया है। इससे चार साल पहले मंत्रालय ने इसी तरह के स्वदेश निर्मित तेजस विमान की खरीद के लिए एक अन्य समझौता किया था।

मध्ययुगीन काल में वापस जा रहा है देश : राहुल गांधी

■ **राहुल गांधी ने भाजपा पर बिहार में महाराष्ट्र शैली की ''वोट चोरी'' का प्रयास करने का भी आरोप लगाया**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि देश को मध्ययुगीन काल में धकेला जा रहा है, जब राजा नापसंदगी वाले व्यक्ति को गिरफ्तार करवा देता था। उन्होंने उन नये विधेयकों की आलोचना की जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए गए और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान किया गया है।

गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए गए और लगातार तीस दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किए गए जिन्हें सदन ने विचार के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला किया।

गांधी ने विपक्ष की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''भाजपा जो नया विधेयक प्रस्तावित कर रही है, उस पर काफी काम किया जा रहा है। हम मध्ययुगीन काल में वापस जा रहे हैं जब राजा अपनी मर्जी से किसी को भी हटा सकता था।'' उन्होंने कहा, ''एक निर्वाचित व्यक्ति क्या होता है, इसकी कोई अवधारणा ही नहीं है। उन्हें आपका चेहरा पसंद नहीं आता, इसलिए वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मामला दर्ज करने को कहते हैं और फिर लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए व्यक्ति को 30 दिन के भीतर हटा दिया जाता है। यह नया है।''

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बिहार में महाराष्ट्र शैली की ''वोट चोरी'' का प्रयास करने का भी आरोप लगाया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जनसुनवाई के दौरान हुआ हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के समय मुख्यमंत्री गुप्ता आम लोगों की शिकायतें सुन रहीं थीं। एक शख्स भी अपनी शिकायत लेकर वहां पहुंचा और उसने श्रीमती गुप्ता पर हमला कर दिया। उसके इस हमले की वजह का फिलहाल पता नहीं चला है।

पुलिस हमलावर शख्स को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध की जगह होती है, लेकिन हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है।

उन्होंने कहा उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस, दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। आशा है मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।

जीएसटी सुधार आम आदमी, किसान, मध्यम वर्ग, छोटे कारोबारियों के फायदे के लिए : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के युक्तिकरण का उद्देश्य आम आदमी, किसान, मध्यम वर्ग और एमएसएमई को अधिक राहत प्रदान करना है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि इसके साथ ही इसके माध्यम से अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को और सरलीकृत, पारदर्शी और विकासोन्मुखी करने का प्रयास है।

उन्होंने जीएसटी परिषद द्वारा क्षतिपूर्ति उपकर, स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा, तथा दरों के युक्तिकरण पर गठित मंत्रिसमूहों (जीओएम) को संबोधित करते हुये यह बात कही।

बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री, गोवा के मुख्यमंत्री, बिहार के उपमुख्यमंत्री और तीनों जीओएम में शामिल राज्यों के वित्त मंत्री भी उपस्थित थे।

केंद्र सरकार सहकारी संघवाद की भावना के साथ अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को लागू करने के लिए आने वाले हफ्तों में राज्यों के साथ व्यापक सहमति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दो दिन की इस बैठक में मंत्रियों के ये समूह जीएसटी दरों के सरलीकरण, बीमा पर जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर के साथ कर प्रणाली में अगली पीढ़ी के सुधारों पर चर्चा करेंगे। जीएसटी में सुधार लाने के लिए कर की दरों को घटा कर दो स्लैब में पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत करने की योजना है। कुछ अहितकर वस्तुओं पर केंद्र ने ऊंची (40 प्रतिशत) दर का भी प्रस्ताव किया है। अभी जीएसटी में पांच, 12,18 और 28 प्रतिशत की दर से कर लगता है। आवश्यक वस्तुएं शून्य या पांच प्रतिशत के दायरे में हैं।

इजराइल की गाजा में युद्ध के नए चरण की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/एपी। इजराइल आने वाले दिनों में गाजा शहर में एक व्यापक सैन्य अभियान शुरू करने की तैयारी में जुटा है। वहीं दूसरी ओर वार्ताकार इजराइल और हमास के बीच 22 महीनों से जारी संघर्ष समाप्त करने के लिए युद्धविराम की कोशिशों में लगे हुए हैं।

इजराइली सेना ने बुधवार को बताया कि रक्षा मंत्री ने गाजा के कुछ सबसे घनी आबादी वाले इलाकों में अभियान के एक नए चरण की शुरुआत की योजना को मंजूरी दे दी है।

सेना के मुताबिक, 60,000 रिजर्व सैनिकों को बुलाया जाएगा और वर्तमान में सेवारत अतिरिक्त 20,000 रिजर्व सैनिकों की सेवा अवधि बढ़ाई जाएगी।

इजराइली सेना का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब मानवाधिकार समूहों ने चेतावनी दी है कि गाजा में मानवीय संकट और भी बदतर हो सकता है।

अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण

बालासोर/भाषा। भारत ने बुधवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-5' का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि 'अग्नि-5' मिसाइल मौजूदा परीक्षण में सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों पर खरी उतरी। इसमें कहा गया है कि यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया।

भारत-रूस संबंधों पर जयशंकर

अधिक कार्य करना और अलग ढंग से कार्य करना हमारा मंत्र होना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत और रूस को जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने के लिए रचनात्मक और अभिनव दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

जयशंकर ने यह बात ऐसे में कही जब रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद भारत और अमेरिका के संबंधों में तनाव आ गया है।

जयशंकर ने यह टिप्पणी मॉस्को में रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव के साथ एक बैठक में की।

विदेश मंत्री ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने भाषण में कहा कि भारत और रूस को द्विपक्षीय व्यापार में विविधता लाकर और अधिक संयुक्त उद्यमों के माध्यम से अपने सहयोग के ''एजेंडे'' में निरंतर विविधता लानी चाहिए और उसका विस्तार करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''अधिक काम करना और अलग तरीके से काम करना हमारा मंत्र होना चाहिए।'' जयशंकर ने मंगलवार को रूस की तीन दिवसीय यात्रा की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य भारत-रूस की ''समय की कसौटी पर खरी उतरी'' साझेदारी को और मजबूत करना है।

ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने वाला विधेयक लोकसभा में पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **ऑनलाइन गेमिंग, मनी गेमिंग के कारण परिवारों पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।**

■ **ऑनलाइन गेमिंग से धन शोधन और आतंकवाद का वित्तपोषण भी हो रहा है।**

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने एवं शैक्षणिक और सामाजिक ऑनलाइन खेलों को बढ़ावा देने वाले एक विधेयक को पारित कर दिया तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि समाज में एक बहुत बड़ी बुराई आ रही है जिससे बचने के लिए इस विधेयक को लाया गया है।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के सांसदों के हंगामे के बीच 'ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025' को सदन में पारित कराने के लिए रखते हुए वैष्णव ने कहा कि 'ऑनलाइन मनी गेम' आज समाज में बड़ी चिंता का विषय बन गया है और कई ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें इसकी लत लग जाती है तथा जिंदगी भर की बचत (ऑनलाइन) गेम में उड़ा देते हैं।

मंत्री ने कहा, फ्रॉड और चीटिंग एल्गोरिद्म ऐसे होते हैं कि पता ही नहीं चलता कि कौन किसके साथ खेल रहा है। अस्पष्ट एल्गोरिद्म होते हैं। हार निश्चित होती है। वित्तीय नुकसान होते हैं। कई परिवार बर्बाद हो गए। आत्महत्याएं भी हुई हैं।

सदन ने एसआईआर के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों की लगातार नारेबाजी के बीच बिना चर्चा के ध्वनिमत से 'ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025' को पारित कर दिया।

वैष्णव ने एक अंग्रेजी अखबार की कर्नाटक के बारे में प्रकाशित एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 31 महीनों में 32 आत्महत्याएं इस तरह के मामलों में हुई हैं।

वैष्णव ने कहा, यह लगभग स्थापित हो गया है कि ऑनलाइन गेमिंग, मनी गेमिंग के कारण परिवारों पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि ऑनलाइन गेमिंग से धन शोधन और आतंकवाद का वित्तपोषण भी हो रहा है।

नासा ने यूरेनस की कक्षा में एक नया लघु चंद्रमा खोजा

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा है कि उसके वेब स्पेस टेलीस्कोप ने सौरमंडल के सातवें ग्रह यूरेनस की कक्षा में एक नया, अत्यंत छोटा चंद्रमा खोजा है। नासा श्रेरा मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, यह चंद्रमा लगभग 10 किलोमीटर चौड़ा प्रतीत होता है और इसे इसी वर्ष फरवरी में वेब टेलीस्कोप के 'नियर इन्फ्रारेड कैमरे' के माध्यम से देखा गया था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह चंद्रमा अपनी अत्यंत क्षीण चमक और छोटे आकार के कारण अब तक छिपा रहा, यहां तक कि लगभग 40 वर्ष पहले यूरेनस के समीप से गुज़रे वॉयेजर-2 अंतरिक्ष यान की निगाहों से भी यह बचा रहा। यूरेनस के अब तक 28 ज्ञात चंद्रमा हैं।

रूस को सुदर्शन चक्र परियोजना का हिस्सा बनने की उम्मीद : रूस

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने बुधवार को कहा कि रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए भारत के खिलाफ अमेरिका की दंडात्मक कार्रवाई से उत्पन्न होने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए रूस के पास एक ''विशेष तंत्र'' है।

भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद भारत और अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण हुए हैं।

बाबुश्किन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नयी दिल्ली के साथ अपने देश के संबंधों में तेजी से सुधार होने की उम्मीद जताई और कहा कि विभिन्न सैन्य साजोसामान व उपकरण की आवश्यकता के लिए रूस भारत का ''पसंदीदा साझेदार'' रहा है।

वरिष्ठ रूसी राजनयिक ने कहा कि नयी दिल्ली की सुदर्शन चक्र नामक एक नयी वायु रक्षा प्रणाली बनाने की योजना का रूस के हिस्सा होने की उम्मीद है जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान की थी। उन्होंने कहा, ''हम इस समझ से आगे बढ़ रहे हैं कि जब इन प्रणालियों को आगे बढ़ाने की बात आएगी, तो रूसी उपकरण इसका हिस्सा होंगे।''

लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक की प्रतियां फाड़ी गईं, कागज उछाले गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किए जाने के दौरान हंगामे की स्थिति रही और विपक्षी सदस्यों ने विधेयकों की प्रतियां फाड़ी तथा कागज फाड़कर भी उछाले।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया।

इस दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के कुछ सदस्यों को आमने-सामने आते हुए देखा गया और उनके बीच तीखी नोकझोंक हुई। तृणमूल कांग्रेस के कुछ सदस्यों को इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह की ओर बढ़ते देखा गया।

दो बार के स्थगन के बाद सदन की बैठक दोपहर 2 बजे फिर शुरू हुई तो विपक्षी सदस्य पहले से ही खड़े होकर इन तीनों विधेयकों के खिलाफ नारे लगा रहे थे जिन्हें सरकार पेश करने जा रही थी।

तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने विधेयक की प्रतियां फाड़ दीं और कागज़ के टुकड़े गृह मंत्री के सामने

फेंके। इस दौरान गृह मंत्री विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव पेश कर रहे थे। इसी हंगामे में, तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी को शाह के सामने लगे माइक्रोफ़ोन को खींचते हुए और उसके पास नारे लगाने की कोशिश करते देखा गया।

उधर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद भी आसन के सामने मौजूद विपक्षी सांसदों की तरफ बढ़ने लगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू जहां सत्ता पक्ष के आगे वाली सीटों के सामने आ गए, वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू को गृह मंत्री के बगल में खड़े देखा गया।

कांग्रेस सदस्य जोतिमणि और प्रणीति शिंदे विपक्षी सदस्यों के बीच विधेयकों की प्रतियां बांटती नजर आईं। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक की प्रतियों को फाड़ दिया और कागज के टुकड़े उछालने लगे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस हंगामे के बीच कार्यवाही अपराह्न 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी, लेकिन विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्यों की नारेबाजी जारी रही। इसी दौरान विपक्षी सदस्यों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए तीन मार्शलों को गृह मंत्री के आसन के सामने खड़े होना पड़ा।

तीन बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने से ठीक पहले, तीन महिलाओं सहित संसदीय सुरक्षा सेवा के 12 सदस्य सत्ता पक्ष की सीटों के बगल वाले गलियारे में खड़े देखे गए, जिस पर विपक्ष ने कड़ा विरोध जताया।

जैसे ही सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई, विपक्षी सदस्यों को सत्ता पक्ष की सीटों के पास आने से रोकने के लिए मार्शल आसन के पास पहुंच गए, लेकिन जल्द ही उन्हें वापस बुला लिया गया।

लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्ष के इस आचरण की कड़ी निंदा की और कहा कि उनके कार्यों ने लोकसभा की मर्यादा को ठेस पहुंचाई है।

सदन की कार्यवाही पुनः शुरू होते ही शाह सदन में आए और अपनी सामान्य अग्रिम पंक्ति की सीट की बजाय पिछली पंक्ति में बैठ गए। उन्होंने तीनों विधेयकों को गहन परीक्षण के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने पारित कर दिया।

हंगामा जारी रहने पर लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही शाम 5:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

हमला सिर्फ मुझ पर नहीं, बल्कि दिल्ली की सेवा करने के हमारे संकल्प पर हुआ : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के दौरान उन पर हुआ हमला लोगों की सेवा करने के उनके संकल्प को डिगाने का एक ''कायरतापूर्ण प्रयास'' है, लेकिन इससे उनका मनोबल नहीं टूटा है।

बुधवार सुबह गुप्ता के कैंप कार्यालय में 'जन सुनवाई' के दौरान उन पर हमला किया गया। हमले के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि जन सुनवाई कार्यक्रम पहले की तरह जारी रहेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज सुबह जन सुनवाई के दौरान मेरे ऊपर हुआ हमला केवल मेरे ऊपर नहीं, बल्कि दिल्ली की सेवा और जनता की भलाई के हमारे संकल्प को डिगाने के लिए किया गया एक कायराना प्रयास है।

उन्होंने कहा, स्वाभाविक है कि इस हमले के बाद मैं सदमे में थी, लेकिन अब बेहतर महसूस कर रही हूं। मैं अपने सभी शुभचिंतकों से निवेदन करती हूं कि कृपया मुझसे मिलने के लिए परेशान न हों। मैं बहुत जल्द ही आपके बीच काम करती हुई दिखाई दूंगी।

गुप्ता ने कहा, ऐसे हमले मेरे हौसले और जनता की सेवा के संकल्प को कभी तोड़ नहीं सकते। अब मैं पहले से कहीं अधिक ऊर्जा और समर्पण के साथ आपके बीच रहूंगी। जन सुनवाई और जनता की समस्याओं का समाधान पहले की तरह ही गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ जारी रहेगा। आपका विश्वास और समर्थन ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। आपके अपार स्नेह, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

शुल्क अनिश्चितताओं के बीच केंद्रीय बैंक को सतर्क रहने की जरूरत: मल्होत्रा ने एमपीसी बैठक में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि शुल्क को लेकर अनिश्चितताएं अभी भी जारी हैं, इसलिए केंद्रीय बैंक को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने इस महीने के शुरू में मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो दर को यथावत रखने के पक्ष में मतदान करते हुए यह बात कही थी।

आरबीआई ने बुधवार को चार-छह अगस्त के दौरान हुई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक का ब्योरा जारी किया। केंद्रीय बैंक के गवर्नर के साथ एमपीसी के अन्य सभी पांच सदस्यों ने रेपो दर को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया था। मल्होत्रा ने कहा, कुल मिलाकर हमारी अर्थव्यवस्था मजबूती, स्थिरता और अवसर की तस्वीर पेश करती है। भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति, विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियां और दूरदर्शी रणनीति देश को एक मजबूत स्थिति में रखती हैं।

उन्होंने कहा कि हालांकि वृद्धि दर स्थिर बनी हुई है, लेकिन खाद्य कीमतों में नरमी के कारण मुद्रास्फीति के परिणाम अपेक्षाकृत अधिक अनुकूल रहे हैं।

मल्होत्रा ने कहा, हालांकि निकट भविष्य में मुद्रास्फीति लक्ष्य से कम रहने की संभावना है और मासिक आंकड़े दो प्रतिशत के निचले संतोषजनक स्तर को भी पार कर सकते हैं, लेकिन तीसरी तिमाही से सकल (हेडलाइन) मुद्रास्फीति में थोड़ी वृद्धि होने का अनुमान है। शुल्क को लेकर अनिश्चितताएं अभी भी उभर रही हैं। उन्होंने कहा कि बाह्य मोर्चे पर अनिश्चितता की वर्तमान स्थिति को देखते हुए मौद्रिक नीति पर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

हरियाणा सरकार ने वन की परिभाषा अधिसूचित की

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा सरकार ने वन के ''शब्दकोशीय अर्थ'' को परिभाषित किया है, तथा वन विशेषज्ञ ने चिंता व्यक्त की है कि इस परिभाषा से अरावली के संभावित वन का ज्यादातर भाग वन संरक्षण अधिनियम के दायरे से बाहर हो जायेगा। हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग ने वन की परिभाषा अधिसूचित कर दी है।

राज्य सरकार ने 18 अगस्त की अधिसूचना में ''वन शब्द को शब्दकोष के अर्थ के अनुसार परिभाषित किया है। अधिसूचना में कहा गया है कि भूमि का कोई टुकड़ा ''शब्दकोश अर्थ के अनुसार वन'' माना जाएगा, बशर्ते यह कुछ शर्तें पूरी करता हो। अधिसूचना में कहा गया है कि परिभाषा के अनुसार वन क्षेत्रों में न्यूनतम आच्छादित घनत्व 40 प्रतिशत होना चाहिए तथा पृथक होने पर कम से कम पांच हेक्टेयर क्षेत्र में फैला होना चाहिए, या सरकार श्रेरा अधिसूचित वनों से सटे होने पर दो हेक्टेयर क्षेत्र में फैला होना चाहिए।

आच्छादित घनत्व का मतलब है किसी जंगल या वन क्षेत्र में पेड़ों के पत्तों और टहनियों से ढके हुए क्षेत्र का अनुपात। हालांकि सरकार श्रेरा अधिसूचित वनों के बाहर स्थित सभी रैखिक / कॉम्पैक्ट / कृषि-वानिकी वृक्षारोपण और बागों को इस परिभाषा के अंतर्गत वन नहीं माना जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है, भूमि का एक टुकड़ा 'शब्दकोश अर्थ के अनुसार वन' माना जाएगा यदि वह निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है: यदि यह अलग-थलग है और इसका न्यूनतम क्षेत्रफल पांच हेक्टेयर है; तथा यदि यह सरकार श्रेरा अधिसूचित वनों के समीप है तो इसका न्यूनतम क्षेत्रफल दो हेक्टेयर है।

हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण स्कूल और कॉलेज बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और ऊना, कुल्लू और मंडी जिलों के कुछ इलाकों में स्कूल और कॉलेज बंद करने पड़े हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ऊना के अंब और गगरेट अनुमंडलों में एहतियात के तौर पर शैक्षणिक संस्थान बंद कर दिए गए हैं। कुल्लू के मनाली और बंजार व मंडी जिले के इलाकों में अचानक आई बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के बाद इसी तरह के आदेश जारी किए गए हैं।

कुल्लू के शास्त्री नगर में नाले में अचानक आई बाढ़ से घरों और वाहनों को नुकसान पहुंचा, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

हालांकि, कुल्लू नगर परिषद के अध्यक्ष महंत गोपाल दास ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। सब डिवीजन मजिस्ट्रेट श्रेरा जारी एक बयान में कहा गया कि सोमवार रात बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ की वजह से मंडी जिले के सिलभुधानी गांव में एक पैदल पुल बह गया। बयान में कहा गया कि जिले के भुबू, कुंगरी और संबद्ध नदियों में भी हलचल देखी जा रही है, जिसके कारण छात्रों की सुरक्षा के लिए गांव के स्कूलों को बुधवार को बंद रखने का आदेश जारी किया गया। राज्य आपात परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने बताया कि बुधवार सुबह राज्य में तीन राष्ट्रीय राजमार्गों समेत कुल 362 सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गईं। इनमें मंडी जिले की 183 और निकटवर्ती कुल्लू जिले की 105 सड़कें शामिल हैं। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार शाम से राज्य के कई हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। ऊना के भरवाईं में सबसे अधिक 68 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके बाद देहरा गोपीपुर में 63.4 मिमी, पालमपुर में 60.4 मिमी, गुलेर में 60 मिमी, सोलन में 56 मिमी, बिलासपुर में 50.8 मिमी और जुब्बड़हट्टी में 47.2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

स्थानीय मौसम कार्यालय ने 24 से 26 अगस्त तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में मूसलाधार बारिश की संभावना जताते हुए 'ऑरेंज'अलर्ट जारी किया है। राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर 23 अगस्त को 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है।

एलायंस एयर का विमान तकनीकी खामी के कारण बीच रास्ते से गुवाहाटी हवाई अड्डे पर लौटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय (एलजीबीआई) हवाई अड्डे से कोलकाता के लिए रवाना हुई एलायंस एयर की उड़ान बुधवार को तकनीकी खामी की वजह से 'पूर्ण आपात'स्थिति में वापस लौट आई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

हवाई अड्डे की प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं, और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने बताया, तकनीकी खराबी के कारण गुवाहाटी-कोलकाता उड़ान को वापस उतारने का फैसला किए जाने के बाद, 20 अगस्त को अपराह्न 1.42 बजे गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया।

हवाईअड्डा सूत्र ने बताया कि विमान ने अपराह्न 1.09 बजे गुवाहाटी से कोलकाता के लिए उड़ान भरी थी। प्रवक्ता ने बताया कि विमान अपराह्न 2.27 बजे सुरक्षित रूप से हवाई अड्डे पर उतर गया और अपराह्न 2.40 बजे आपात स्थिति की घोषणा वापस ले ली गई। बयान में दावा किया गया कि इस घटना के कारण हवाई अड्डे के परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

भारत, यूरेशियन आर्थिक संघ ने व्यापार वार्ता शुरू करने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पांच देशों के यूरेशियन आर्थिक संघ (ईएईयू) ने बुधवार को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर औपचारिक बातचीत शुरू करने के लिए नियम एवं शर्तों पर हस्ताक्षर किए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। यूरेशियन आर्थिक संघ (ईएईयू) के पांच सदस्य आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और रूस हैं। यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत अमेरिका श्रेरा लगाए गए उच्च शुल्कों के कारण अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने की कोशिश कर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि नियम एवं शर्तें बातचीत के लिए रूपरेखा प्रदान करती हैं और इससे व्यापार क्षमता के उपयोग, निवेश बढ़ाने और एक मजबूत, टिकाऊ भारत-ईएईयू आर्थिक साझेदारी बनने की उम्मीद है। दोनों पक्षों ने समझौते को शीघ्र तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाने और व्यापार सहयोग के लिए एक दीर्घकालिक संस्थागत ढांचा बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों पक्षों का व्यापार 2024 में 69 अरब डॉलर रहा, जो 2023 की तुलना में सात प्रतिशत अधिक है।

देश सस्ता हाइड्रोजन बनाकर तेल उत्पादक देशों की बराबरी कर सकता है: गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि यदि देश में हाइड्रोजन बनाने की लागत को एक डॉलर प्रति किलोग्राम तक लाया जा सका, तो वह ऊर्जा आयातक से वैश्विक निर्यातक बन सकता है।

द एनर्जी एंड रिसोर्सेस इंस्टिट्यूट में आयोजित 24वें दरबारी सेठ स्मृति व्याख्यान में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान में हाइड्रोजन की लागत लगभग पांच से छह डॉलर प्रति किलोग्राम है, जो पारंपरिक ईंधनों की तुलना में काफी महंगी है। गडकरी ने कहा, यदि हम इसे एक डॉलर प्रति किलोग्राम तक

लाने में सफल हो जाते हैं, तो भारत मौजूदा तेल उत्पादक देशों के समान स्थिति में पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन, ऊर्जा के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। मंत्री ने कहा कि सबसे बड़ी बाधा हाइड्रोजन 'फिलिंग स्टेशन' स्थापित करने और ईंधन के परिवहन के लिए प्रणालियां विकसित करने में है। उन्होंने कहा, इन क्षेत्रों में तत्काल और व्यापक स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। ऊर्जा के लिए कचरे के उपयोग की संभावना के बारे में गडकरी ने कहा कि नगर निगम का ठोस कचरा ही काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। उन्होंने कहा, यदि हम कचरे को अलग करें, उसमें से जैविक पदार्थ निकालकर उसे 'बायोडाइजेस्टर्स' में डालें तो उससे मीथेन गैस बनती है। मीथेन को सीएनजी में बदलने के बजाय यदि हम इसका उपयोग ग्रीन हाइड्रोजन बनाने में करें तो केवल देश के नगर निगम के कचरे से ही बेहद सस्ती हाइड्रोजन उत्पन्न हो सकती है। गडकरी ने कहा कि हाइड्रोजन, जीवाश्म ईंधन का स्थान ले लेगा। उन्होंने कहा, यह न केवल परिवहन के लिए महत्वपूर्ण होगा, बल्कि दवा, रसायन और इस्पात के क्षेत्र में इसका उपयोग होगा। इससे ट्रेनें चलेंगी, हवाई जहाज उड़ेंगे और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी।

जैन समुदाय को पर्यूषण पर्व संबंधी याचिका पर उच्च न्यायालय से नहीं मिली राहत

मुंबई/भाषा। मुंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को जैन समुदाय के सदस्यों को उनके पर्यूषण पर्व के दौरान शहर में 10 दिनों के लिए बूचड़खानों को बंद करने के अनुरोध पर कोई राहत देने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति संदीप मार्ने की पीठ ने कहा कि वह समुदाय की भावनाओं का सम्मान करती है, लेकिन सवाल यह है कि उसे (समुदाय को) बूचड़खानों को 10 दिनों तक बंद रखने की मांग करने का अधिकार कहां (किस वैधानिक प्रावधान) से मिलता है। याचिकाओं में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) आयुक्त श्रेरा 14 अगस्त को पारित आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बूचड़खानों को केवल दो दिनों के लिए बंद करने की अनुमति दी गई थी। आयुक्त ने तर्क दिया था कि शहर में जैन समुदाय की आबादी कम है। जैन धर्म की दिगंबर शाखा 20 से 27 अगस्त तक और श्वेतांबर शाखा 21 से 28 अगस्त तक पर्यूषण पर्व मनायेगी। उच्च न्यायालय ने कोई राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं श्रेरा कोई ठोस दलील नहीं दी गई है। उच्च न्यायालय ने पूछा, हम आपकी भावनाओं का सम्मान करते हैं। लेकिन हमें बताइए कि आपको बूचड़खानों को 10 दिनों के लिए बंद करने का अधिकार कहां (किसी वैधानिक प्रावधान) से मिलता है। बीएमसी ने अदालत को बताया कि वर्तमान में सरकार ने वर्ष में 16 दिन बूचड़खानों को बंद रखने की अधिसूचना जारी की है।

पंजाब : ईडी ने 'मुआफी जमीन' मामले में छापेमारी की

जालंधर/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'मुआफी जमीन' का कुछ संस्थाओं श्रेरा कथित तौर पर दुरुपयोग किए जाने से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत पंजाब और चंडीगढ़ में अकाली दल के एक नेता के ठिकानों समेत विभिन्न परिसरों पर बुधवार को छापेमारी की।

सूत्रों ने बताया कि वाहिद संधार शुगर्स लिमिटेड और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कम से कम आठ स्थानों पर छापे मारे जा रहे हैं।

संसद ने दी आईआईएम संशोधन विधेयक को मंजूरी, गुवाहाटी में बनेगा प्रबंध संस्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने गुवाहाटी में भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) की स्थापना के प्रावधान वाले एक विधेयक को बुधवार को मंजूरी दे दी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि केंद्र सरकार ने इसके लिए 550 करोड़ रुपए के आर्थिक अनुदान की व्यवस्था की है तथा संस्थान में मौजूदा शैक्षणिक सत्र से ही दाखिला शुरू हो जाएगा।

राज्यसभा ने आज भारतीय प्रबंध संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2025 को चर्चा एवं शिक्षा मंत्री के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे मंगलवार को ही पारित कर चुकी है। उच्च सदन में विधेयक पर चर्चा एवं पारित किए जाने के दौरान कई विपक्षी दलों के सदस्य अनुपस्थित थे। विपक्षी सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा की अनुमति नहीं दिए जाने के विरोध में सदन से वाकआॅउट किया। विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधान ने कहा कि देश में अभी 21 आईआईएम संचालित हो रहे हैं और गुवाहाटी 22वां ऐसा संस्थान होगा। उन्होंने कहा कि 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद यह देश में 9वां नया आईआईएम होगा। उन्होंने कहा कि 1961 से देश में आईआईएम कार्यरत हैं। 1961 से 2014 तक 53 साल में केवल 13 आईआईएम ही स्थापित हो सकीं। उन्होंने कहा कि 2013-14 में सभी 13 आईआईएम में छात्रों की संख्या 3,500 थी जो 2024-25 में बढ़कर 9,800 हो गई है। उन्होने कहा कि यह नए संस्थान बनाने और देश में छात्रों को अधिक अवसर प्रदान करने के प्रति मौजूदा सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधान ने कहा कि 2017 तक आईआईएम संस्थान डिग्री नहीं दे सकते थे और वे पीजी डिप्लोमा उपाधि प्रदान करते थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 2017 में आईआईएम को लेकर एक ऐतिहासिक निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप, आईआईएम राष्ट्रीय महत्व के संस्थान बन गए।

प्रधान ने कहा कि संसद श्रेरा 2017 में कानून बनाए जाने के बाद आईआईएम पूर्ण विश्वविद्यालय जैसा संस्थान बन गया और जब आईआईएम गुवाहाटी काम करना शुरू करेगा, तो वह विश्वविद्यालय के समान ही राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि 2004-14 का समय असम के लिए सबसे खराब था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य की पूरी तरह से अनदेखी की, क्योंकि उनके पास निर्णय लेने की शक्तियां नहीं थीं।

प्रधान ने कहा कि सरकार विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने परिसर खोलने की अनुमति दे रही है आज 15 विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर खोलने की तैयारी कर रहे हैं।।इसी तरह पिछले दो साल में, अबू धाबी और अफ्रीका में दो आईआईटी संस्थान खुले हैं। उन्होंने कहा, आईआईएम हमारे देश का विश्व में एक बड़ा ब्रांड बन गया है। आईआईएम की प्रतिष्ठा इतनी ज्यादा है कि विदेश में भी इसे खोले जाने की मांग हो रही है।

महाराष्ट्र में बारिश की स्थिति नियंत्रण में : फडणवीस

बांधों से पानी छोड़ने को लेकर अन्य राज्यों से समन्वय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि भारी बारिश से बेहाल मुंबई और राज्य के अन्य हिस्सों में स्थिति अब नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक राजधानी में एक दिन पहले हुई मूसलाधार बारिश से अब राहत मिली है।

फडणवीस ने कहा कि राज्य में भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के जवानों को तैनात करके आपदा प्रबंधन के संबंध में सभी आवश्यक

सावधानियां बरती जा रही हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, बांधों से पानी छोड़े जाने का प्रबंधन किया जा रहा है। सरकार हमारे अनुरोध के अनुसार पानी छोड़े जाने के मद्देनजर पड़ोसी राज्यों से समन्वय कर रही है। मुंबई और उपनगरीय क्षेत्र में मंगलवार को मूसलाधार बारिश की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। निचले इलाके जलमग्न होने की वजह से उपनगरीय रेल सेवाएं बाधित हो गई थीं। मुख्यमंत्री ने कहा, मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में बारिश की स्थिति कुल मिलाकर काफी हद तक नियंत्रण में है, हालांकि कुछ क्षेत्रों में अब भी भारी बारिश हो रही है। फडणवीस ने दोहराया कि 14 लाख हेक्टेयर में फसलें नष्ट हो गई हैं।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को नई दिल्ली में कोयम्बटूर दक्षिण की विधायक एवं भाजपा की राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष वानती श्रीनिवासन ने प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से औपचारिक मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री को महिला मोर्चा के प्रगति के चार साल की यात्रा की एक पुस्तक भेंट की।

30वां संविधान संशोधन 'काला विधेयक' : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को 130वें संविधान संशोधन विधेयक को राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामले थोपने और उन्हें पदों से हटाने वाला काला विधेयक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 30 दिन की गिरफ्तारी का मतलब है बिना किसी मुकदमे या अदालती सजा के निर्वाचित मुख्यमंत्री को हटाना। हालांकि, यह भाजपा का एक फरमान मात्र है। तानाशाही इसी तरह शुरू होती है; वोट चुराओ, विरोधियों को चुप कराओ और राज्यों को कुचलो।

सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने कहा, 130वां संविधान संशोधन कोई सुधार नहीं है – यह एक काला दिन है और यह एक काला विधेयक है। मैं इस विधेयक की कड़ी निंदा करता हूं, जो लोकतंत्र की जड़ों पर प्रहार करता है, और मैं सभी लोकतांत्रिक ताकतों से भारत को तानाशाही में बदलने के इस प्रयास के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान करता हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री के तहत भारत को तानाशाही में बदलकर संविधान और इसकी लोकतांत्रिक नींव को अपवित्र करने का फैसला किया है।

स्टालिन ने आरोप लगाया कि वोट चोरी के खुलासे के बाद, जिस जनादेश के आधार पर केंद्र में भाजपा सरकार बनी है, वही गंभीर

सवालों के घेरे में है। द्रमुक प्रमुख ने कहा, इसकी (सरकार की) वैधता संदिग्ध है। धोखाधड़ी से जनादेश चुराने के बाद, भाजपा अब इस खुलासे से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश में है। इसके लिए, वे 130वां संविधान संशोधन विधेयक लाए हैं। उन्होंने कहा कि यह असंवैधानिक संशोधन निश्चित रूप से अदालतों द्वारा रद्द कर दिया जाएगा, क्योंकि दोष का निर्णय केवल मुकदमे के बाद ही किया जाता है, न कि केवल मामला दर्ज होने से।

स्टालिन ने कहा, यह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में क्षेत्रीय दलों को डराने का एक भयावह प्रयास है, जिनके नेता विभिन्न राज्यों में मुख्यमंत्री या मंत्री हैं – हमारे साथ रहो वरना...।

द्रमुक प्रमुख ने कहा, किसी भी उभरते तानाशाह का पहला कदम अपने प्रतिद्वंद्वियों को गिरफ्तार करने और पद से हटाने की शक्ति खुद को देना होता है। यह विधेयक ठीक यही करने का प्रयास करता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच लोकसभा में बुधवार को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025', संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 में प्रधानमंत्री, मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराध के आरोपों में पद से हटाने का प्रावधान है। संयुक्त संसदीय समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे और यह समिति अपनी रिपोर्ट अगले संसद सत्र के प्रथम सप्ताह के अंतिम दिन तक पेश करेगी।

न्यायालय ने आय से अधिक संपत्ति मामले में तमिलनाडु के मंत्री के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2.1 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति के मामले में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता और तमिलनाडु के मंत्री आई. पेरियासामी तथा उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ विशेष अदालत में जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए. जी. मसीह की पीठ ने 18 अगस्त को इस मामले में नोटिस भी जारी किया।

पीठ ने कहा, ''डिंडीगुल में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम मामलों के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सह विशेष न्यायाधीश के समक्ष लंबित कार्यवाही पर रोक रहेगी।'' शीर्ष अदालत ने यह

आदेश पेरियासामी की उस अपील पर दिया जिसमें उन्होंने 28 अप्रैल के मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें विशेष अदालत को उनके और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया गया था।

उच्च न्यायालय ने सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) द्वारा दायर याचिकाओं पर यह आदेश पारित किया। इन याचिकाओं में पेरियासामी और उनके परिवार के सदस्यों को मामले से बरी करने के आदेश को चुनौती दी गई थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने उस आदेश को खारिज कर दिया और विशेष अदालत को हर दिन सुनवाई करके छह महीने के भीतर सुनवाई पूरा करने का निर्देश दिया।

पेरियासामी पर आरोप है कि उन्होंने 2006 से 2010 के बीच मंत्री रहते हुए अपने और अपनी पत्नी पी. सुशीला तथा बेटों पी. सेंथिलकुमार और पी. प्रभु के नाम पर 2.1 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की थी, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक थी। डीवीएसी ने उन्हें बरी किए जाने को चुनौती दी और 2018 में उच्च न्यायालय में अपील दायर की। पेरियासामी मौजूदा द्रमुक सरकार में ग्रामीण विकास, पंचायत और पंचायत संघ विभाग संभालते हैं।

स्टालिन ने वरिष्ठ पत्रकारों को समन जारी करने को लेकर असम पुलिस की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई,। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को वरिष्ठ पत्रकार सिद्धार्थ वरदराजन और करण थापर को देशद्रोह के एक मामले में समन किये जाने को लेकर असम पुलिस की आलोचना करते हुए कहा, ''अगर सवाल पूछना देशद्रोह माना जाएगा तो लोकतंत्र कायम नहीं रह सकता।'' उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही संबंधित मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा संरक्षण प्रदान किए जाने के बावजूद ये समन जारी किए गए हैं।

तमिलनाडु राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)के अध्यक्ष स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''प्राथमिकी की कोई प्रति और मामले का कोई विवरण नहीं दिया गया है, केवल गिरफ्तारी की धमकी दी गई है। स्वतंत्र पत्रकारिता को दबाने के लिए निरस्त देशद्रोह कानून के विकल्प के रूप में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)की धारा 152 का दुरुपयोग किया जा रहा है। मैं द वायर के वरिष्ठ पत्रकारों एस वरदराजन और करण थापर को समन जारी करने की असम पुलिस की कार्रवाई की कड़ी निंदा करता हूं।''

उन्होंने कहा, ''यदि प्रश्न पूछना देशद्रोह माना जाएगा तो लोकतंत्र नहीं बच सकता।'' गौरतलब है कि गुवाहाटी पुलिस ने देशद्रोह के आरोप में दर्ज एक मामले में दोनों वरिष्ठ पत्रकारों को तलब किया है। उन्हें 22 अगस्त को गुवाहाटी पुलिस की अपराध शाखा के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है।

तमिलनाडु भाजपा कल बूथ समिति सम्मेलन आयोजित करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने घोषणा की है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 22 अगस्त को तिरुनेलवेली में पार्टी के पहले बूथ समिति जोन सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें एक लाख से अधिक बूथ स्तर के कार्यकर्ता भाग लेंगे। तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंथन के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक को पार्टी 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा मोड़ मान रही है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एएनएस प्रसाद के अनुसार, इस बैठक में पांच लोकसभा क्षेत्रों और 28 विधानसभा क्षेत्रों की 8,595 बूथ समितियों के प्रतिनिधि एकत्रित होंगे। उन्होंने इस आयोजन को एक 'ऐतिहासिक आंदोलन' बताया जिसका उद्देश्य द्रमुक के 'भ्रष्ट और दमनकारी

गृहमंत्री अमित शाह करेंगे संबोधन

शासन' को खत्म करना और एनडीए को 200 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में जीत के लिए तैयार करना है।

यह सम्मेलन तिरुचेंदूर में आयोजित किया जाएगा, जिसे पार्टी ने 'भगवान मुरुगन की पवित्र भूमि' कहा है। प्रसाद ने अमित शाह को 'चुनावी विजय सम्राट' और 'कुशल रणनीतिकार' कहा। उन्होंने बताया कि शाह जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने और बूथों को पार्टी के प्रचार तंत्र के आधार के रूप में मजबूत करने के लिए डिजाइन किए गए एक विस्तृत चुनावी रोडमैप का अनावरण करेंगे।

सम्मेलन में तमिलनाडु के वरिष्ठ भाजपा नेता और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में हाल ही में नामित किए जाने पर भी प्रकाश डाला जाएगा।

पार्टी ने इसे राज्य के लिए 'गर्व की बात' और प्रधानमंत्री मोदी के 'तमिलनाडु के प्रति विशेष स्नेह' का प्रतिबिंब बताया। तिरुनेलवेली कार्यक्रम के बाद, भाजपा ने अगले कुछ महीनों में मदुरै, कोयंबटूर, सलेम, तंजावुर, तिरुवन्नामलाई और तिरुवल्लूर में इसी तरह के सम्मेलनों की योजना बनाई है, जिनमें राष्ट्रीय नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है।

बैठक में पोन राधाकृष्णन, डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन, के. अन्नामलाई, केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन, एच. राजा और अभिनेता से नेता बने सरथकुमार सहित वरिष्ठ नेता भी तिरुनेलवेली में संबोधित करेंगे।

आईएमडी ने तमिलनाडु के बंदरगाहों में चक्रवात की चेतावनी जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा तटों के निकट बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण तमिलनाडु के कई बंदरगाहों के लिए चक्रवात की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के अनुसार, अगले कुछ दिनों में इस चक्रवात के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने की उम्मीद है। जिसकी वजह से आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटीय क्षेत्रों में भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि तमिलनाडु के पूर्वोत्तर जिलों में, रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है।

नागापट्टिनम बंदरगाह पर चक्रवात चेतावनी संकेत संख्या 1 जारी किया गया है। वहीं, आठ अन्य बंदरगाहों – चेन्नई, कुड्डालोर, पुडुचेरी, कराईकल, एन्नोर, पंबन, कडुपल्ली और थूथुकुडी में भी इसी तरह की चेतावनी जारी कर दी गई है। चेतावनी में तेज हवाओं और समुद्र में उथल-पुथल की संभावना जताई गई है। इन संभावनाओं को देखते हुए मछुआरों को अगली सूचना तक समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी गई है।

मौसम अधिकारियों के अनुसार, तमिलनाडु सीधे तौर पर निम्न-दबाव चक्रवात के रास्ते में नहीं है, लेकिन इसके तटीय क्षेत्रों पर इसका असर पड़ेगा। आईएमडी ने एक बयान में कहा, यह सिस्टम उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा की ओर ज्यादा केंद्रित है, लेकिन तमिलनाडु के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में आने वाले दिनों में बारिश की संभावना है। अधिकारियों ने बंदरगाहों पर एहतियाती उपाय लागू करना शुरू कर दिया है, जबकि तटीय क्षेत्रों के ज़िला प्रशासनों को भारी बारिश, संभावित जलभराव और तेज़ हवाओं के लिए तैयार रहने के लिए सतर्क कर दिया गया है।आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों को भी तैयार रहने का निर्देश दिया गया है।

आईएमडी ने आगे कहा कि वह इस सिस्टम के विकास और गति पर बारीकी से नजर रख रहा है, और इसकी तीव्रता के आधार पर आगे की जानकारी जारी की जाएगी। तटीय क्षेत्रों के निवासियों से मौसम संबंधी सलाह का पालन करने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया गया है। यह निम्न-दाब सिस्टम ऐसे समय में आया है जब दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरे तमिलनाडु में सक्रिय है।

मौसम विज्ञानियों ने कहा कि मानसून की सक्रियता और बंगाल की खाड़ी में विक्षोभ के संयोजन से अतिरिक्त बारिश हो सकती है, जिससे गर्मी से राहत मिलेगी, लेकिन निचले इलाकों में स्थानीय बाढ़ का खतरा भी बढ़ जाएगा।

इंडियन बैंक ने मनाया स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इंडियन बैंक ने देश के 79 वें स्वतंत्रता दिवस और 15 अगस्त को अपने 119 वें स्थापना दिवस का जश्न मनाया।

चेन्नई स्थित इंडियन बैंक के एमडी एवं सीईओ बिनोद कुमार ने 66-राजाजी सलाई स्थित पंजीकृत मुख्यालय और रोयापेट्टा स्थित इंडियन बैंक कॉर्पोरेट कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उत्सव के उत्साह को और बढ़ाते हुए, इंडियन बैंक ने प्रभावशाली पहलों के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

मुख्य अतिथि एम. नागराजू, आईएएस, सचिव, डीएफएस ने ओमानदुरार स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के डीन डॉ. जी. हरिहरन को एम्बुलेंस की चाबी सौंपी। इसके अतिरिक्त, बैंक द्वारा स्थापना माह के उपलक्ष्य में चेन्नई और उसके आसपास के वृद्धाश्रमों/आश्रय गृहों/अनाथालयों और अन्य समान संस्थानों में एक माह तक भोजन वितरण (अन्नदान) का आयोजन किया जा रहा है। समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में, आनंदम (एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट) की प्रबंध न्यासी भागीरथी राममूर्ति को सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में कार्यकारी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, कार्यकारी अधिकारी तथा स्टाफ सदस्य और परिवार के सदस्यों ने भाग लिया।

राजीव गांधी ने देश को विकास का नया रास्ता दिखाया : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा, 'आज विधान सौधा के सम्मेलन कक्ष में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी, जिन्हें आधुनिक भारत के निर्माता के रूप में याद किया जाता है, की जयंती के अवसर पर सद्भावना दिवस की शपथ दिलाई गई।'' मुख्यमंत्री ने कहा, 'राजीव गांधी ने विज्ञान, तार्किकता और समावेशी प्रगति की भावना पर आधारित एक राष्ट्र का सपना देखा था। उन्होंने भारत को एक सद्भावनापूर्ण देश के रूप में देखा, जहां हर धर्म और समुदाय शांति से एकसाथ रह सकें।'

मदुरै में टीवीके का दूसरा राज्य सम्मेलन आज

तीन हजार पुलिसकर्मी तैनात, शामिल होंगे विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । तमिलनाडु के मदुरै में अभिनेता और राजनेता थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) का दूसरा राज्य सम्मेलन 21 अगस्त को होने जा रहा है। इस आयोजन के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, जिसमें करीब 3,000 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। दक्षिण क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक प्रेम आनंद सिन्हा की देखरेख में पुलिस ने व्यापक सुरक्षा और यातायात प्रबंधन योजनाएं तैयार की हैं।

सम्मेलन कूडाकोविल के पास 500 एकड़ के बड़े मैदान में आयोजित होगा, जिसमें पार्किंग सुविधा भी उपलब्ध होगी। पुलिस ने उत्तरी, मध्य, पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग डायवर्जन रूट बनाए हैं। अधिकारियों ने बताया कि आयोजन के बाद यातायात को

नियंत्रित करने और सड़क हादसों को रोकने के लिए और भी उपाय किए जाएंगे। कार्यक्रम दोपहर 3 बजकर 30 मिनट से शाम 7 बजकर 30 मिनट तक चलेगा, जिसमें 1.25 लाख पार्टी कार्यकर्ताओं और हजारों समर्थकों के शामिल होने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह सम्मेलन साल 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले टीवीके का आखिरी बड़ा आयोजन हो सकता है। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष विजय भी शामिल होंगे और कार्यकर्ताओं के साथ ही जनता को भी संबोधित करेंगे। विजय ने कार्यकर्ताओं से अनुशासन बनाए रखने और गर्भवती महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को घर से ही आयोजन देखने की सलाह दी है।

कांग्रेस की योजनाओं से गरीबों की जेब भरी है : उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

फोटो : कांग्रेस की योजनाओं से गरीबों की जेब भरी है : उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

– राजीव गांधी के योगदान को लोग आज भी याद करते हैं

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस सरकारों की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं के ज़रिए हम गरीबों की जेब में 1 लाख करोड़ डाल रहे हैं। बुधवार को क्वीन्स रोड स्थित केपीसीसी कार्यालय में आयोजित पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स की जयंती समारोह के अवसर पर, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो केपीसीसी अध्यक्ष भी हैं, ने दोनों दिग्गज नेताओं के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की और अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार को गारंटी योजना लागू किए दो साल हो गए हैं। आपको लोगों को इसकी याद दिलानी चाहिए। हमने इस योजना को लागू करके आपको एक हथियार दिया है। आपको

राजीव गांधी के योगदान को लोग आज भी याद करते हैं

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

इसका सही इस्तेमाल करना चाहिए। हमारी सरकार किसानों को मुफ्त बिजली के लिए 20,000 करोड़ रुपये, विभिन्न पेंशन योजनाओं के लिए 10,000 करोड़ रुपये, पंचायत गारंटी योजना के लिए 52,000 करोड़ रुपये और सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए 1 लाख करोड़ रुपये गरीबों की जेब में डाल रही है। क्या इस 1 लाख करोड़ रुपये में भाजपा या दल का कोई कार्यक्रम है? जब मैं विधायक था, जे.एच. पटेल के समय, पंचायतों को 1 लाख रुपये का अनुदान दिया जाता था। कृष्णा के समय में, हमने इसे बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया। हमने पंचायतों में 27 विभाग शामिल किए। कांग्रेस पार्टी ने पंचायतों को यह अधिकार दिया है। उन्होंने कहा, जदएस की बात करें तो महान गौड़ा, उनके बच्चों और नाती-पोतों ने क्या-क्या कुर्बानियाँ दी हैं? भाजपा की बात करें तो स्वतंत्रता संग्राम में उनका क्या योगदान था? सत्ता में आने के बाद, क्या उन्होंने गरीबों को खाना खिलाया? क्या उन्होंने ज़मीन दी? बंगारप्पा किसानों को मुफ्त बिजली देने वाले पहले व्यक्ति थे और जब मैं मंत्री बना, तो मैंने बिजली छह घंटे से बढ़ाकर सात घंटे कर दी। पहले हम इसके लिए हर साल 800 करोड़ रुपये देते थे। अब हम 20 हज़ार करोड़ रुपये दे रहे हैं। उन्होंने कहा, आज युवाओं के लिए बहुत प्रेरणादायक दिन है। हाल ही में हमारे युवा नेता बी.वी. श्रीनिवास ने रन फॉर राजीव नामक एक मैराथन का आयोजन किया था। सुबह साढ़े पाँच बजे लगभग 15 हज़ार लोग इकट्ठा हुए थे। इसमें कई आम लोगों ने भी हिस्सा लिया। हमारे लोग आज भी राजीव गांधी के योगदान को याद करते हैं। जब मैं छात्र था, तब मैं सामान्य छात्रावास में रहता था। उस समय हमारे गाँव में टेलीफोन कनेक्शन नहीं था। इसे प्राप्त करने में तीन-चार साल लग जाते थे। लेकिन आज हर किसी के पास दो-तीन फोन हैं।

தொழிலாளர் அரசு காப்பீட்டுக் கழகம்
தொழிலாளர் மற்றும் வேலைவாய்ப்பு அமைச்சகம், இந்திய அரசு
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)

மண்டல அலுவலகம்/क्षेत्रीय कार्यालय / Regional Office
143, ஸ்டெர்லிங் சாலை, நுங்கம்பாக்கம், சென்னை - 600034.
143, Sterling Road, Nungambakkam, Chennai - 600034.
Phone: 044-28306300 (100 Lines)
E-mail: rd-tamilnadu@esic.gov.in
Website: www.esic.gov.in/www.rotamilnadu.esic.gov.in

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की औषधालयों/शाखा कार्यालयों के लिए आवास किराये पर लेने हेतु जेम (GeM) पोर्टल के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रण सूचना

NOTICE INVITING e-TENDER THROUGH GeM PORTAL FOR HIRING ACCOMODATION FOR ESIS DISPENSARIES/ESIC BRANCH OFFICE

क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै के क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी) द्वारा, क.रा.बी.निगम औषधालयों / क.रा.बी.निगम शाखा कार्यालयों के लिए किराये के आधार पर आवास हेतु, इच्छुक और पात्र भवन मालिकों से, जेम (GeM) पोर्टल के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:- The Regional Director (I/c), Regional Office, Chennai, invites e-Tender through GeM portal from the interested and eligible owners of the premises for hiring of accommodation on rental basis for ESIS Dispensaries/ESIC Branch Office as detailed below:-

क्रम संख्या Sl.No.	निवास हेतु अपेक्षित भौगोलिक क्षेत्र/स्थल Geographical Area/site in which accommodation required	वर्ग फुट में अपेक्षित क्षेत्रफल Required area in Square feet
1	क.रा.बी.निगम औषधालय - कोरात्तूर, चेन्नई जिला/ESIS Dispensary - Korattur, Chennai District	3230 वर्ग फुट/Sq.Ft
2	क.रा.बी.निगम औषधालय - अन्ना सलाई, चेन्नई जिला /ESIS Dispensary - Anna Salai, Chennai District	4300 वर्ग फुट/Sq.Ft
3	क.रा.बी.निगम औषधालय - पेरम्बूर-II, चेन्नई जिला /ESIS Dispensary - Perambur-II, Chennai District	4300 वर्ग फुट/Sq.Ft
4	क.रा.बी.निगम शाखा कार्यालय - विल्लीवाक्कम, चेन्नई जिला / ESIC Branch Office - Villivakkam, Chennai District	1500 वर्ग फुट/Sq.Ft
5	जेम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि /Last date for online bid submission through GeM Portal	28.08.2025 को अपराह्न 02:00 बजे तक /28.08.2025 by 02.00 p.m
6	जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि और समय /Date of time of Opening of Tender through GeM Portal	28.08.2025 को अपराह्न 02:30 बजे /28.08.2025 at 02.30 p.m

अन्य सभी नियम एवं शर्तें तथा निविदा प्रपत्र www.esic.gov.in/tenders तथा www.gem.gov.in पर उपलब्ध हैं/All other terms & conditions and tender documents are available in www.esic.gov.in/tenders and www.gem.gov.in

हस्ता/- Sd/-
क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी), चेन्नै/ Regional Director (I/c),

भजनलाल की खट्टर से राजस्थान में ग्रीन एनर्जी कोरिडोर के प्रस्तावों पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को केंद्रीय बिजली, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की और इस दौरान राजस्थान में ऊर्जा और आवासन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। शर्मा ने नई दिल्ली में खट्टर से मुलाकात की और उनसे आग्रह किया कि राजस्थान ने नवीकरणीय ऊर्जा निकासी की योजना बनाई है। इस योजना में शामिल परियोजनाओं को ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर- थर्ड में शामिल कर केंद्र की तरफ से अधिकतम अनुदान शीघ्र स्वीकृत किया जाए।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश के महत्वपूर्ण प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं इन प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं से ऊर्जा की निकासी हेतु सुदृढ़ पारेषण तंत्र की आवश्यकता है जिसके लिए अधिकतम केंद्रीय सहयोग आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान आग्रह किया कि जयपुर मेट्रो रेल द्वितीय चरण का संयुक्त उपक्रम (50:50) के तहत निर्माण की विस्तृत कार्य योजना को जल्द स्वीकृति प्रदान की जाए।

उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण प्रस्तावित परियोजना के लिए केंद्रीय अंशदान की स्वीकृति से जयपुर वासियों के लिए एक सुदृढ़, सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन की सुविधा प्रदान करने के लक्ष्य को जल्द हासिल किया जा सकेगा। शर्मा ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान 15वें वित्त आयोग के तहत राजस्थान के नॉन मिलियन प्लस शहरों के नगरीय निकायों को दिए जाने वाले केंद्रीय सहयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन नगरीय निकायों को प्रदान किए जाने वाले वित्तीय सहयोग से गतिमान विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा एशियन डेवलपमेंट बैंक एवं वर्ल्ड बैंक के संयुक्त वित्त पोषण के माध्यम से संचालित आरयूआईडीपी पांचवें चरण की परियोजना तैयार कर भारत सरकार के समक्ष प्रस्तुत की है जिस पर केंद्रीय मंत्रालय का सकारात्मक सहयोग आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस योजना के माध्यम से जलापूर्ति, अपशिष्ट जल प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शहरी यातायात सुधार, बाढ़ प्रबंधन और विरासत संरक्षण सहित प्रदेश के शहरों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि इस परियोजना की शीघ्र स्वीकृति से राज्य के चहुंमुखी विकास में गति आएगी तथा प्रदेश की जनता लाभान्वित होगी। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं जिनके सकारात्मक दोहन और प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में आधारभूत संरचना के विकास के लिए केंद्रीय सहयोग आवश्यक है। इस पर केंद्रीय मंत्री द्वारा राजस्थान को हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया।

मुख्यमंत्री की केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं को गति प्रदान करने और राज्य के सर्वांगीण विकास के संबंध में हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रदेश के सांसदों से मुलाकात कर उनसे केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं को गति प्रदान करने और राज्य के सर्वांगीण विकास के संबंध में विस्तृत चर्चा की। बीकानेर हाउस में आयोजित इस बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सांसदों से राज्यहित के मुद्दों पर संसद में तत्परता से चर्चा करने तथा विभिन्न मंत्रालयों में प्रदेश की स्वीकृतियों और फंडिंग के विषयों पर कार्य करने के लिए आग्रह किया। शर्मा ने पीएम सड़क योजना आदि को तेजी से लागू करने के लिए सांसदों का सहयोग भी मांगा। साथ ही, प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश का वातावरण बनाने के लिए केन्द्र सरकार के साथ ज्यादा तत्परता के साथ कार्य करने के लिए अनुरोध किया।

बैठक में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, भूपेन्द्र यादव, भागीरथ चौधरी, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, चुन्नीलाल गरासिया, घनश्याम तिवाड़ी, राजेन्द्र गहलोत, लोकसभा सांसद दामोदर अग्रवाल, सी.पी.जोशी, दुष्यंत सिंह, लुंबाराम चौधरी, श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़, श्रीमती मंजू शर्मा, मन्नालाल रावत, पी.पी.चौधरी, राव राजेन्द्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

महिला सुरक्षा सात दिन का नहीं बल्कि जीवनभर का संकल्प : पुलिस महानिदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने बुधवार को कहा कि महिला सुरक्षा सात दिन का नहीं बल्कि जीवनभर का संकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में महिला सुरक्षा सबसे ऊपर है। शर्मा ने महिला सुरक्षा को लेकर जयपुर पुलिस के अभियान 'सशक्त नारी, जिम्मेदारी हमारी' का यहां उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि महिला सुरक्षा सिर्फ सात दिन का नहीं, बल्कि हमेशा का ही संकल्प है। पुलिस महानिदेशक ने महिलाओं को शक्ति, सहनशीलता और साहस का प्रतीक बताया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल सामूहिक प्रयासों और महिला शक्ति के साथ-साथ नौजवानों, आमजन एवं समुदाय के सहयोग से ही वास्तविक बदलाव संभव है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, पुलिस महानिदेशक ने यह भी उल्लेख किया कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में महिला सुरक्षा सबसे ऊपर है और 'कालिका पेट्रोलिंग', 'एंटी-रोमियो' और निर्भया स्क्वाड जैसी योजनाओं ने सराहनीय काम किया है।

उन्होंने जयपुर को देश का दूसरा सबसे सुरक्षित शहर बताते हुए, इसे विश्व का सबसे सुरक्षित शहर बनाने का लक्ष्य रखा। पुलिस महानिदेशक ने पुरुषों से भी इस बदलाव का हिस्सा बनने का आह्वान किया और कहा कि असली ताकत महिलाओं को सम्मान देने से आती है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि पुलिस जनता से मिलने वाले 'फीडबैक' और शिकायतों पर गंभीरता से काम करेगी ताकि जयपुर एक मिसाल बन सके।

जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस पहल का मकसद केवल कानूनी कार्रवाई तक सीमित नहीं बल्कि यह एक सामाजिक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जोसफ ने कहा कि राजस्थान पुलिस जयपुर शहर में कानून व्यवस्था कायम व अपराध नियंत्रण करने के लिए हमेशा प्रयासरत है और वर्ष 2024, 2025 में अपराधों में काफी गिरावट हुई है। उन्होंने बताया कि बालिका एवं महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में 'सशक्त नारी जिम्मेदारी हमारी' अभियान चलाया जा रहा है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक लता मनोज कुमार ने बताया कि महिला सुरक्षा के प्रति राजस्थान पुलिस द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे है और इन प्रयासों से हम सबकी भागीदारी से जयपुर शहर देश में द्वितीय नम्बर पर सबसे सुरक्षित शहर है। पुलिस अधीक्षक (जयपुर ग्रामीण) राशि डोगरा ने बताया, सशक्त नारी जिम्मेदारी हमारी' अभियान के तहत कई नई और महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की गई हैं जो महिलाओं की सुरक्षा को हर स्तर पर सुनिश्चित करेंगी।

साधु-संतों के सहयोग से बदल सकती है समाज की तस्वीर : मकवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने कहा कि अपराधों में कमी लाने और समाज में समरसता लाने के लिए सामाजिक सहयोग ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक कार्य करने वाली संस्थाओं, साधु-संतों और सामाजिक रूप से प्रभावशाली लोगों के सहयोग से बढ़ते अपराधों में कमी लाई जा सकती है। मकवाना ने बुधवार को शासन सचिवालय के कॉफ्रेंस हॉल में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक के दूसरे दिन यह बात कही। इस दौरान सदस्यगण वड्डेपल्ली रामचंदर एवं लवकुश कुमार साथ रहे। आयोग ने अनुसूचित जाति वर्ग के एट्रोसिटी एक्ट (अत्याचार निवारण नियम) के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में पिछले डेढ़ वर्ष में अनुसूचित जाति वर्ग के अपराधों में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा अपराध मुक्त राजस्थान बनाना है। हालांकि अभी और सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आयोग से प्राप्त सुझावों पर अमल कर आमजन के विश्वास को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

आयोग की पुलिस महानिदेशक श्रीमती सनमीत कौर ने पुलिस अधिकारियों से अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़े दर्ज अपराध, चालान, चार्जशीट, प्रकरण निस्तारण, वर्ग को दी जाने वाली सहायता राशि आदि के बारे में पुलिस अधिकारियों से जानकारी ली और सुधारात्मक सुझाव भी दिए। पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने आयोग को बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के केसेज में लगातार कमी आ रही है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में पुलिस दर्ज होने वाले केसों का सूक्ष्म रूप से विश्लेषण करेगी, गंभीर प्रकरणों को केस ऑफिसर स्कीम में शामिल करेगी और घोड़ी पर न चढ़ने जैसी कुरीतियों तथा उनकी मानसिकता में परिवर्तन लाने के लिए जागरूकता लाने के प्रयास करेगी। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के लिए तुरंत राहत और शिकायत दर्ज करवाने के लिए 18001806025 हेल्पलाइन भी 24 घंटे प्रभावी रूप से संचालित की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (मानवाधिकार) श्रीमती मालिनी अग्रवाल ने पुलिस द्वारा किए गए कार्यों को पीपीटी प्रस्तुतीकरण के जरिए बताया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 के मुकाबले 2024-25 में हत्या, बलात्कार व अन्य अपराधों के आंकड़ों में कमी आई है। उन्होंने बताया कि एट्रोसिटी के मामले जहां 2023 में 8212 दर्ज हुए थे वहीं 2024 में इनकी संख्या 7007 रह गई। 2025 में अभी तक 3651 मामले दर्ज हुए हैं। बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर एस सावंत, सचिव (आयोग) जी. श्रीनिवास, संयुक्त सचिव एच. काम सुआनथांग, निदेशक कौशल कुमार, सामाजिक न्याय निदेशक आशीष मोदी सहित गृह, पुलिस, मानवाधिकार, अभियोजन, कारागार, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सहित संबंधित विभागों के उच्च स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष किशोर मकवाना, सदस्यगण वड्डेपल्ली रामचंदर एवं लवकुश कुमार ने जामडोली कैंपस स्थित अनुसूचित जाति वर्ग की बालिकाओं के लिए संचालित छात्रावासों का निरीक्षण किया। आयोग के सदस्यों ने कैंपस में वृक्षारोपण किया और बालिकाओं के साथ मेस में भोजन करते हुए अनौपचारिक रूप से संवाद भी किया। बालिकाओं में आयोग से आए अतिथियों को लेकर खासा उत्साह देखा गया। आयोग को विदा करते समय बालिकाएं 'थैंक यू सर' कहकर आभार जताती नजर आईं।

निकाय चुनाव टालकर संवैधानिक प्रावधानों पर प्रहार कर रही भाजपा सरकार : गोविंद सिंह डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने स्थानीय निकाय चुनाव नहीं कराए जाने को लेकर बुधवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा और इसे 'संवैधानिक प्रावधानों' पर प्रहार करार दिया। डोटासरा, राजस्थान कांग्रेस के राजीव गांधी पंचायती राज संगठन द्वारा आयोजित स्वराज बचाओ रैली को संबोधित कर रहे थे।

संगठन की प्रमुख मांगों में पंचायत व निकाय चुनावों की तत्काल बहाली, मनमाने परिसीमन का विरोध और दो बच्चों का नियम समाप्त करना शामिल है। डोटासरा ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार पंचायत और नगर निकाय चुनाव टालकर संवैधानिक प्रावधानों पर प्रहार एवं न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में करीब एक साल से चुनाव नहीं हुए हैं जबकि 11 हजार ग्राम पंचायतों और 125 नगर निकायों का कार्यकाल पूरा हो चुका है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा 'एक राज्य, एक चुनाव' के नाम पर लोगों को भटका रही है, ये लोग सत्ता के दुरुपयोग से स्थानीय सरकारों को पंगु बनाकर तानाशाही राज करना चाहती है। इससे पहले, डोटासरा ने मीडिया से बातचीत में भी सरकार को लेकर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, राज्य में सरकार 'पर्ची' से गठित हुई और अब यह सरकार भी हर निर्णय लेने के लिये केन्द्र से पर्ची आने का इंतजार करती है और स्वविवेक से जनकल्याण के लिए कोई भी निर्णय सरकार द्वारा नहीं किया जाता है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि राजस्थान में भाजपा सरकार समय पर पंचायती राज चुनाव कराने में विफल रही है और युवाओं की आवाज दबाने के लिए छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों को केंद्र से पर्याप्त धनराशि नहीं मिल रही, मनरेगा मजदूरों को समय पर भुगतान नहीं हो रहा और जनहित के अनेक मुद्दों की लगातार अनदेखी हो रही है। जूली ने कहा कि संविधान से मिली शक्तियों का भाजपा सरकार खुलेआम दुरुपयोग कर रही है।

पटवारी 95 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले की श्रीकरणपुर तहसील के पटवार हल्का-6 वी धनूर के राजस्व पटवारी पंखीलाल मीणा को एक मामले में 95 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि परिवादी ने एसीबी चौकी श्रीगंगानगर-प्रथम को शिकायत की कि उसके स्वंय एवं पत्नी के नाम की कृषि भूमि पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2024 में मूंग की फसल के कराये गये फसल बीमा का फसल खराब होने पर दोनों के खातों में क्लेम राशि करीब 2.28 लाख रूपये जमा हुये है। इस फसल खराबे की कॉप कटिंग हल्का पटवारी पंखीलाल मीणा ने की थी, जब क्लेम राशि खाते में जमा होने की जानकारी मिलने पर पटवारी उससे बीमा क्लेम उसकी मदद करने पर मिलने की बात करके जमा क्लेम की राशि का 50 प्रतिशत हिस्सा खर्चे पानी के रुप में देने की मांग की जा रही है। इस पर ब्यूरो टीम ने ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी पटवारी को परिवादी से प्राप्त फसल बीमा क्लेम की राशि 2.28 लाख रूपये में से 95 हजार रुपए बतौर रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

दिल्ली से बीकानेर के बीच नयी वंदेभारत के परिचालन को मिली स्वीकृति

बीकानेर। केंद्रीय कानून मंत्री एवं बीकानेर सीट के सांसद अर्जुनराम मेघवाल के प्रयास से दिल्ली से बीकानेर के मध्य नयी वंदेभारत रेलगाड़ी के परिचालन को स्वीकृत मिल गयी है। बीकानेर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मेघवाल को पत्र के जरिए इसकी सूचना दी है। इस पर मेघवाल ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' के स्वप्नद्रष्टा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास-यात्रा सतत जारी है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा को और गति देते हुए वैष्णव ने बीकानेर वासियों की सुविधा के लिए वंदेभारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को स्वीकृति दी है। इस वंदेभारत ट्रेन से हर वर्ग के व्यक्ति को कम समय में एक सुविधाजनक यात्रा मिलेगी। मेघवाल ने इस अवसर पर सभी बीकानेर वासियों को बधाई दी। भाजपा नेताओं ने इसके लिए मेघवाल और वैष्णव का आभार जताया है।

जयपुर में दो विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में दो विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने से अफरा-तफरी मच गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने दोनों विद्यालयों के भवनों की तलाशी ली हालांकि कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि इन स्कूल के परिसर की गहनता से जांच की गई लेकिन कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली। पुलिस के मुताबिक, इन विद्यालयों को मंगलवार रात धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे और बुधवार सुबह स्कूल के कर्मचारियों ने इन्हें देखने के बाद पुलिस को सूचित किया। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय पुलिस, बम निरोधक दस्ता, आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और ध्वान दस्ता की टीमें इन विद्यालयों के परिसर में पहुंची और गहन तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर सभी छात्रों को घर वापस भेज दिया गया और पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बूंदी में सड़क दुर्घटना में दंपति समेत 4 मजदूरों की मौत

कोटा। राजस्थान के बूंदी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर बुधवार को एक अज्ञात ट्रक के पीछे से एक वैन टकरा गई। इस हादसे में एक दंपति समेत चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई तथा एक नाबालिग सहित पांच अन्य घायल गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। डाबी थानाध्यक्ष हेमराज शर्मा ने बताया कि यह घटना बुधवार सुबह करीब साढ़े चार बजे डाबी थाना क्षेत्र के सुताड़ा गांव के पास हुई, जब राजस्थान के बारां और मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले से मजदूरों को लेकर कांकरोली एवं नाथद्वारा जा रही वैन ट्रक से टकरा गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और घायलों को डाबी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से उन्हें कोटा के न्यू मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतकों की पहचान संतोष, उसकी पत्नी संगीता, अनिल और देवराज के रूप में हुई है जबकि घायलों में हेमराज, अनिल की पत्नी मीनाक्षी और सौरभ शामिल हैं। शर्मा ने बताया कि नाबालिग समेत दो अन्य की पहचान अभी नहीं हो पाई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि घायलों का कोटा स्थित न्यू मेडिकल कॉलेज हास्पिटल (एनएमसीएच) में इलाज चल रहा है, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जयपुर में दो सगे भाइयों के शव कार में मिले

जयपुर। जयपुर में दो बच्चों के शव मंगलवार देर रात घर के बाहर खड़ी एक कार में पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि दोनों नाबालिग सगे भाई थे। पुलिस ने बताया कि घटना गलतागेट थाना क्षेत्र की है, जहां शहजाद के बेटे अनस (आठ) और अहसान (पांच) मंगलवार शाम को घर के पास खेलते समय लापता हो गए। जब वे देर तक नहीं लौटे, तो परिवार के सदस्यों ने उनकी तलाश शुरू की। बाद में दोनों लड़के घर के पास खड़ी एक गाड़ी में बेहोश पाए गए। उन्हें एसएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि मौत का कारण गाड़ी के अंदर दम घुटना हो सकता है, जबकि परिवार के सदस्यों ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने कहा, ''पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद सही कारण की पुष्टि होगी।'' जिस कार में दोनों शव मिले वह उसी इलाके के एक निवासी की है। पुलिस ने संदेह के आधार पर कई लोगों से पूछताछ की है।

स्मार्ट मीटर के विरोध में बंद रहा झुंझुनू जिला

झुंझुनू। राजस्थान में लगाये जा रहे स्मार्ट मीटर का विरोध बढ़ता जा रहा है, इसी के कारण स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में बुधवार को झुंझुनू जिला बंद रहा। सुबह से ही झुंझुनू रोडवेज बस स्टैंड, मंडावा मोड़, गांधी चौक, रेलवे स्टेशन समेत शहर और कस्बों की दुकानें बंद रहीं। संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह व्यापारियों से समर्थन मांगा, जिस पर व्यापारियों ने भी एकजुटता दिखायी। स्मार्ट मीटर हटाओ संघर्ष समिति ने बंद का आह्वान किया था।

इसके तहत झुंझुनू जिला मुख्यालय के साथ ही चिड़ावा, खेतड़ी, पिलानी, नवलगढ़, गुढ़ा, उदयपुरवाटी में भी सुबह से बाजार से लेकर स्कूल तक पूरी तरह से बंद हैं। बंद के तहत झुंझुनू न्यायालय में भी बार यूनियन ने कार्य बहिष्कार किया। वकीलों ने अदालत परिसर में नारेबाजी करके स्मार्ट मीटर विरोधी आंदोलन का समर्थन किया। संघर्ष समिति से जुड़े लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर किसानों के लिए अतिरिक्त बोझ साबित हो रहे हैं।

बिजली कटौती की समस्या पहले से है, अब प्रीपेड और महंगे बिल ने हालात और खराब कर दिये हैं। समिति के सदस्य एवं जिला परिषद सदस्य पंकज धनकड़ ने कहा कि सरकार स्मार्ट मीटर योजना को वापस नहीं लेती है, तो आने वाले पंचायत चुनाव और नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का कड़ा विरोध किया जायेगा। समिति ने चेतावनी दी कि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन और उग्र रूप लेगा।

राज्य सरकार दे रही हर वर्ग को आधुनिक आवास का अवसर : झावर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल की बहुप्रतीक्षित आवासीय योजनाओं का बुधवार को आवास भवन जयपुर में भव्य शुभारम्भ किया गया। नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इन योजनाओं की शुरुआत करते हुए कहा कि यह केवल निर्माण नहीं, बल्कि प्रदेशवासियों को सुरक्षित और सुविधायुक्त जीवन की ओर ले जाने वाला कदम है। खर्रा ने बताया कि इन 5 विशिष्ट पंजीकरण योजनाओं के तहत कुल 667 आवास/फ्लैटस बनाए जाएंगे, जो उदयपुर, बारां, बूंदी, धौलपुर और बाड़मेर जैसे जिलों में आमजन को एक बेहतर आवासीय विकल्प देंगे।

इस अवसर पर मंत्री खर्रा ने कहा कि राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार हर वर्ग को आवास उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा की राज्य सरकार सिर्फ मकान नहीं दे रही, बल्कि एक सम्मानजनक जीवन का माध्यम दे रही है। उन्होंने बताया कि सभी योजनाएं समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से विकसित की जाएंगी, ताकि लाभार्थियों को आधुनिक जीवन की समस्त सुविधाएं मिल सकें। इस कार्यक्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने भी शिरकत की गोदारा ने कहा की राजस्थान आवासन मण्डल आमजन के आवास के सपने को साकार करने के लिए आज भी पहली पसंद है। उन्होंने मण्डल की योजनाओं की मुक्त कंठ से सराहना की । उल्लेखनीय है कि मई माह में ही मण्डल ने 427 आवासों की 5 आवासीय योजना जयपुर, बारां, बूंदी और धौलपुर में शुरू की थी। शुभारम्भ समारोह में आवासन मण्डल के अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि, आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा, सचिव डॉ. अनिल पालीवाल, मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल, टीएस मीना, प्रतीक श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि, आम नागरिक व मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे आमजन के आवास के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम बताया।

संविधान संशोधन विधेयकों के खिलाफ विपक्ष का प्रदर्शन दिखाता है कि वे भ्रष्टाचार के साथ : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि गंभीर आरोपों में 30 दिन तक गिरफ्तार रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने संबंधी तीन विधेयकों के खिलाफ लोकसभा में विपक्षी सदस्यों का विरोध दर्शाता है कि वे भ्रष्टाचार और भ्रष्ट लोगों के साथ खड़े हैं।

भाजपा सांसदों ने सदन में विरोध के दौरान गृह मंत्री अमित शाह पर कागज फाड़कर फेंकने के लिए विपक्षी सदस्यों की भी आलोचना की और इसे शर्मनाक और अलोकतांत्रिक करार दिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को इस मामले में कार्रवाई करनी चाहिए।

विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि तीनों विधेयकों का विरोध करने वाले लोग अराजकता लाना चाहते हैं और दिखाना चाहते हैं कि वे कानून से ऊपर हैं। उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, आज की परिस्थितियों में यह कानून बहुत आवश्यक है। प्रधान ने कहा कि हाल के दिनों में कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं जब कुछ लोग जेल से सरकार और अपने मंत्रालय चलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हमने हाल में देखा कि कुछ राज्यों में संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों ने गिरफ्तार होने के बाद भी इस्तीफा नहीं दिया। उन्होंने पूछा, क्या हमारा संविधान यही कहता है?

प्रधान ने मांग की, उन्हें (विपक्ष को) यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वे इस बात का समर्थन करते हैं कि किसी को भी इस्तीफा नहीं देना चाहिए, भले ही वे सलाखों के पीछे हों। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तीनों विधेयक पारदर्शिता बढ़ाने के लिए हैं। उन्होंने कहा कि यह परंपरा रही है कि सरकार का कोई भी सदस्य गिरफ्तार होने के बाद इस्तीफा दे देता है। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिस तरह से विपक्षी सदस्यों ने सदन में विरोध प्रदर्शन किया, उससे पता चलता है कि वे भ्रष्टाचार और भ्रष्ट लोगों के साथ खड़े हैं, और वे भ्रष्ट लोगों को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, सवाल यह उठता है कि विपक्ष किसके खिलाफ विरोध कर रहा है। क्या यह नैतिकता है या भ्रष्टाचार? ठाकुर ने कहा, लड़ाई स्पष्ट है। विपक्ष भ्रष्टाचार और भ्रष्ट लोगों के साथ खड़ा है। भाजपा-राजग राजनीति को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना चाहता है। केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान ने विधेयक का समर्थन किया और कहा कि यह भ्रष्टाचार के खिलाफ है।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि उनकी पार्टी भी विधेयकों की मंशा का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि इसे संसद की संयुक्त समिति को भेजने का कदम स्वागत योग्य है।

ठाकुर ने लोकसभा में विपक्ष के विरोध को तुच्छ करार दिया और कहा कि उन्होंने सदन में अपने आचरण से देश के लोकतंत्र को शर्मसार किया है। उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, विपक्षी सदस्य अपनी सीटों से विरोध कर सकते थे... लेकिन वे सत्ता पक्ष के पास, गृह मंत्री के पास आ गए। उन्होंने हंगामा किया, देश के गृह मंत्री के पास कागज के टुकड़े फाड़े। उन्होंने पूछा, क्या यह विरोध करने का सही तरीका है? भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने विपक्ष के विरोध को अलोकतांत्रिक करार दिया और कहा कि यह देश के लोकतंत्र पर हमला है। पाल ने बताया कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रदर्शनकारी सदस्य आसन के समीप आ गए और गृह मंत्री के करीब आ गए।

उपराष्ट्रपति चुनाव : राजग के उम्मीदवार राधाकृष्णन ने नामांकन पत्र दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी. पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

नामांकन पत्र दाखिल करने गए राधाकृष्णन के साथ राजग के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा महासचिव पी. सी. मोदी को नामांकन पत्रों के चार सेट सौंपे, जो उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी हैं।

नामांकन पत्रों के चार सेट में मोदी, सिंह, शाह और जनता दल (यूनाइटेड) नेता राजीव रंजन सिंह मुख्य प्रस्तावक हैं।

उपराष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार के नामांकन पत्र पर कम से कम 20 निर्वाचकों श्रेरा प्रस्तावक और कम से कम 20 अन्य निर्वाचकों श्रेरा अनुमोदक के रूप में हस्ताक्षर करना आवश्यक होता है। राजग ने दाखिल किए गए नामांकन पत्रों के चार सेट में प्रस्तावक और अनुमोदक के रूप में अपने सभी घटकों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया है।

निर्वाचन अधिकारी ने नामांकन पत्रों की जांच की जिसके बाद राधाकृष्णन ने एक रजिस्टर पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद निर्वाचन अधिकारी ने प्रधानमंत्री को नामांकन पत्रों की पावती पर्ची सौंपी। मोदी, शाह, वरिष्ठ मंत्री प्रह्लाद जोशी, धर्मेंद्र प्रधान और राजग के अन्य नेताओं में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नेता और केंद्रीय मंत्री के. राम मोहन नायडू, शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास पासवान) नेता चिराग पासवान शामिल थे। सभी नेताओं के साथ राधाकृष्णन संसद भवन स्थित निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय तक गए। इससे पहले, राधाकृष्णन ने संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर महात्मा गांधी और अन्य राष्ट्रीय नेताओं को श्रेद्धांजलि दी। प्रेरणा स्थल में प्रतिष्ठित हस्तियों की प्रतिमाएं स्थापित हैं। उन्होंने सबसे पहले महात्मा गांधी की विशाल प्रतिमा के समक्ष नमन किया और फिर अन्य प्रसिद्ध हस्तियों को श्रेद्धांजलि दी।

उपराष्ट्रपति के चुनाव में संसद में संख्याबल के हिसाब से राधाकृष्णन का चुना जाना निश्चित माना जा रहा है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्षी दलों का संयुक्त उम्मीदवार बनाया है। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य शामिल होते हैं। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी वोट डालने के पात्र होते हैं।

निर्वाचक मंडल की प्रभावी संख्या 781 है और बहुमत का आंकड़ा 391 है। सत्तारूढ़ राजग को कम से कम 422 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है और युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) जैसी पार्टियां पहले ही राधाकृष्णन को समर्थन देने की घोषणा कर चुकी हैं। वाईएसआरसीपी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन (67) अपने शुभचिंतकों के बीच ''पचाई तमीजान'' (सच्चे तमिल) के रूप में मशहूर हैं। राधाकृष्णन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक वरिष्ठ नेता हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान कोयंबटूर से दो बार लोकसभा सदस्य के रूप में कार्य किया और बाद में तमिलनाडु में पार्टी का नेतृत्व किया।

राजग, उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार राधाकृष्णन को एक बेदाग नेता के रूप में पेश कर रहा है, जिनके पास राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव है। राजग का कहना है कि वह राज्यसभा के सभापति के रूप में उपयुक्त व्यक्ति साबित होंगे। राधाकृष्णन 2016 से 2020 तक अखिल भारतीय कोयर बोर्ड के अध्यक्ष रहे। यह वो अवधि थी जब कोयर निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

कोयर बोर्ड, भारत सरकार श्रेरा स्थापित एक वैधानिक निकाय है जिसका मुख्य उद्देश्य कोयर (नारियल के रेशे) उद्योग को बढ़ावा देना और विकसित करना है।

भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने राधाकृष्णन को एक ऐसा ''राजनेता'' बताया, जिनका सभी दलों में सम्मान है। वह तमिलनाडु में प्रभावशाली गौंडर जाति से आते हैं, जो एक अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय है।

उत्तर प्रदेश: जलालाबाद का नाम बदलकर परशुराम पुरी किया गया

शाहजहांपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी कर दिया गया।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम की जन्म स्थली जलालाबाद मानी जाती है और इसी आधार पर वर्षों से ग्रामीण व स्थानीय संगठन कस्बे का नाम बदलने की मांग कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने बुधवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में जलालाबाद का नाम परिवर्तित कर 'परशुरामपुरी' करने की अनुमति देने पर गृह मंत्री अमित शाह का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार! उन्होंने कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से आभार, वंदन एवं अभिनंदन! आपके मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आए इस निर्णय ने सम्पूर्ण सनातनी समाज को गर्व का क्षण प्रदान किया है। प्रसाद ने कहा, भगवान परशुराम जी के चरणों में कोटि-कोटि नमन! आपकी कृपा मात्र से ही इस पुनीत कार्य में निमित्त बन सका। आपकी कृपा दृष्टि संपूर्ण जगत पर बनी रहे। जलालाबाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हरिप्रकाश वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि जन भावनाओं का सम्मान करते हुए केंद्र सरकार ने मुख्य सचिव को प्रेषित पत्र में जलालाबाद कस्बे का नाम बदलकर परशुराम पुरी कर दिया है। उन्होंने कहा, यहां के लोग लंबे समय से गुलामी के प्रतीक नाम को हटाकर कस्बे का नाम परशुराम पुरी रखने की मांग कर रहे थे। केंद्र सरकार ने जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए यह निर्णय लिया है। इसमें केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद की अहम भूमिका रही है।

असम में पांच करोड़ रु. से अधिक मूल्य की याबा गोलियां जब्त, दो लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य के श्रीभूमि जिले में पांच करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की प्रतिबंधित याबा गोलियां जब्त की गईं और इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने पोस्ट किया कि गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस श्रेरा पुवामारा बायपास पर मादक पदार्थ निरोधक अभियान चलाया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस ने 29,400 याबा गोलियां बरामद कीं और मादक पदार्थ के दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। इस सिलसिले में आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं शुरू कर दी गई हैं। याबा टैबलेट भारत में प्रतिबंधित है क्योंकि इसमें मेथामफेटामीन और कैफीन होती है।

पत्नी ने रोटी बनाने को लेकर हुए विवाद में पति पर चाकू से किया हमला

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में पत्नी ने रोटी बनाने को लेकर हुए विवाद में पति पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को मऊ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रसड़ा क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक आलोक गुप्ता ने बताया कि महावीर अखाड़ा मोहल्ले में मंगलवार रात संजय कुमार (28) पर उसकी पत्नी लालबुची देवी ने चाकू से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद ग्रामीणों ने संजय को रसड़ा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए उसे मऊ के सरकारी अस्पताल स्थानांतरित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में शिकायत मिलने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

मोहपाश गिरोह का भंडाफोड़, एक सिपाही समेत तीन लोग गिरफ्तार

मुरादाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में पुलिस ने एक मोहपाश गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कांस्टेबल रिजवान, इकरा और फैसल के रूप में हुई है जबकि एक अन्य आरोपी बाबर अभी फरार है। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने एक व्यक्ति को जाल में फंसाकर गुप्त तरीके से एक महिला के साथ उसका आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड किया और बाद में उसे ब्लैकमेल करने लगे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने शुरुआत में पीड़ित से 35,000 रुपए ऐंठ लिए और बाद में उसे दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर पांच लाख रुपए की मांग की। संभल जिले के एक निवासी की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (कटघर) आशीष प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार लोगों को जेल भेज दिया गया और फरार आरोपी की तलाश जारी है।

छात्राओं ने शिक्षक पर लगाया 'यौन कदाचार' का लगाया आरोप

रांची/भाषा। झारखंड के रांची जिला प्रशासन ने एक स्कूल की कई छात्राओं श्रेरा एक शिक्षक पर यौन कदाचार का आरोप लगाने के बाद बुधवार को मामले की जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि राज्य शिक्षा विभाग को एक गुमनाम पत्र मिला जिसमें छात्राओं की दुर्दशा और शिक्षक श्रेरा चैट और वीडियो कॉल के माध्यम से की गई कथित अश्लील टिप्पणियों का विवरण दिया गया था। मामले का संज्ञान लेते हुए रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार रात जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) और जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) को जांच करने का निर्देश दिया। जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) विनय कुमार ने बताया, डीएसई ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है। समिति ने बुधवार को रांची के रातू रोड स्थित स्कूल का दौरा किया। समिति की रिपोर्ट के आधार पर शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीएसई बादल राज ने कहा कि उन्होंने स्वयं स्कूल का दौरा किया था, लेकिन आरोपी शिक्षक वहां मौजूद नहीं था। डीएसई ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आरोपी शिक्षक आज स्कूल में उपलब्ध नहीं था। हमने उसे नोटिस भेजकर कहा है कि या तो वह कल उपस्थित हो अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि उसने सभी आरोप स्वीकार कर लिए हैं। इसलिए हमें इसके लिए 48 घंटे का समय चाहिए।

जवाबदेही के बिना सत्ता कायम रखने की कोशिश : अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्रियों को हटाने का प्रावधान करने वाले विधेयक मोदी सरकार श्रेरा जवाबदेही के बिना सत्ता बनाए रखने का प्रयास है। कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि ये विधेयक एक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं हैं क्योंकि केंद्र मतदाता सूची के एसआईआर को आगे बढ़ाने में अपनी विफलता से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है, जिसे अब उच्चतम न्यायालय में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, हम इन विधेयकों का समर्थन करने वाले पहले व्यक्ति होंगे। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि मंत्रियों की जेल की अवधि को प्रस्तावित 30 दिन से घटाकर 15 दिन कर दिया जाए। लेकिन सरकार को यह प्रावधान जोड़ना होगा कि यदि 16वें दिन मंत्री दोषी साबित नहीं होते हैं, तो संबंधित एजेंसी के जांच अधिकारियों और उसके शीर्ष अधिकारियों को जांच के नाम पर नेता को जेल में रखने की अवधि से दोगुने समय तक जेल में रहना होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच लोकसभा में 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि यदि प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री या मुख्यमंत्री को ऐसे अपराधों के लिए गिरफ्तार किया जाता है और 30 दिनों तक हिरासत में रखा जाता है।

ममता का आरोप

130वां संविधान संशोधन विधेयक भारत में लोकतंत्र को हमेशा के लिए समाप्त कर देगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि यह एक 'सुपर-आपातकाल' से भी बड़ा कदम है और यह भारत में लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त कर देगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच लोकसभा में बुधवार को 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 में प्रधानमंत्री, मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराध के आरोपों में पद से हटाने का प्रावधान है। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि ये विधेयक देश की न्यायपालिका की स्वतंत्रता को खत्म कर देगा। उन्होंने कहा कि वह भारत सरकार श्रेरा आज लोकसभा में पेश किए गए 130वें संविधान संशोधन विधेयक की निंदा करती हैं। उन्होंने कहा, मैं इसे एक सुपर आपातकाल से भी बड़े, भारत के लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त करने की दिशा में उठाए गए कदम के तौर पर इसकी निंदी करती हूं। यह दमनकारी कदम भारत में लोकतंत्र और संघवाद के लिए खतरे की घंटी है।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ कहां 'छिपे' हैं, वह चुप क्यों हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे के बाद से जगदीप धनखड़ के सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आने का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को सवाल उठाया कि वह कहां ''छिपे'' हुए हैं और ''पूरी तरह से चुप'' क्यों हो गए हैं। उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के सम्मान में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि धनखड़ के (उपराष्ट्रपति) पद छोड़ने के पीछे एक ''कहानी'' है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि देश के पूर्व उपराष्ट्रपति ऐसी स्थिति में क्यों हैं, जहां ''वह एक शब्द भी नहीं बोल सकते'' और ''उन्हें छिपना पड़ रहा है।

संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा, पूर्व उपराष्ट्रपति कहां चले गए? वह क्यों छिपे हुए हैं?'' लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि जिस दिन उपराष्ट्रपति ने इस्तीफा दिया, केसी वेणुगोपाल उनके पास आए और कहा कि उपराष्ट्रपति ने ''पद छोड़ दिया है। राहुल ने कहा, उन्होंने इस्तीफा क्यों दिया, इसे लेकर एक बड़ी कहानी है। आप में से कुछ लोग इसे जानते होंगे, कुछ लोग नहीं जानते होंगे। लेकिन इसके पीछे एक कहानी है। उन्होंने कहा, ...और फिर एक कहानी यह भी है कि वह क्यों छिपे हुए हैं। भारत के (पूर्व) उपराष्ट्रपति ऐसी स्थिति में क्यों हैं, जहां वह एक शब्द भी नहीं बोल सकते और उन्हें छिपना पड़ रहा है... यह बात सभी जानते हैं।

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में 50,000 राशन कार्ड धारकों के नाम हटाए गए

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में अधिकारियों ने 50,000 से अधिक ऐसे राशन कार्ड धारकों के नाम हटा दिए हैं, जिन्होंने पिछले छह महीने या उससे अधिक समय से अपने कार्ड का इस्तेमाल नहीं किया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार सत्यापन अभियान के दौरान कुल 1,64,237 निष्क्रिय राशन कार्ड धारकों में से 50,323 के नाम हटा दिए गए हैं। बयान में कहा गया कि 576 कार्डधारक लाभ पाने के योग्य पाए गए, जबकि 1,13,338 अन्य के नामों की जांच की जा रही है। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देश पर, सत्यापन के बाद अपात्र राशन कार्ड धारकों के नाम सूची से हटाने के लिए व्यापक अभियान जारी है। बयान में कहा गया कि जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों से 20,067 नाम हटाए गए, क्योंकि उनके आधार कार्ड नंबर संदिग्ध पाए गए। ऐसे 2,500 से अधिक राशन कार्ड धारकों की जांच की जा रही है। इसमें कहा गया कि अधिकारियों ने 18 वर्ष से कम या 100 वर्ष से अधिक आयु के 2,274 एकल-सदस्यीय कार्ड धारकों के नाम हटा दिए हैं, जबकि 13,332 अन्य का सत्यापन किया जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक निष्क्रिय कार्ड धारक जमशेदपुर के शहरी क्षेत्र (68,565) और जमशेदपुर एवं गोलमुरी क्षेत्र में पाए गए, जहां यह आंकड़ा 46,703 है।

कुलदीप यादव एकदिवसीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके, केशव महाराज फिर शीर्ष पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव बुधवार को जारी गेंदबाजों की नवीनतम आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

महाराज ने केन्र्स में तीन मैच की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय मैच में अपनी टीम को ऑस्ट्रेलिया पर 98 रन से जीत दिलाने के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए बाएं हाथ के 35 वर्षीय स्पिनर महाराज ने 33 रन देकर पांच विकेट चटकाए। उन्होंने कुलदीप और श्रीलंका के महेश तीक्षणा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराज इससे पहले नवंबर और दिसंबर 2023 में कुछ समय के लिए शीर्ष पर थे।

कुलदीप के अलावा रविंद्र जडेजा एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जो गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं। भारतीय टीम ने चैंपियन्स ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद से कोई एकदिवसीय मैच नहीं खेला है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स भी गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाने में सफल रहे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के आखिरी मैच में 18 रन देकर छह विकेट लिए थे। वह 15 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए। पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद (15 पायदान के फायदे से 39वें स्थान पर) और वेस्टइंडीज के ऑफ स्पिनर रोस्टन चेस (पांच पायदान के फायदे से 58वें स्थान पर) भी रैंकिंग में आगे बढ़ने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं। पुरुषों की बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन गिल 784 अंक के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। श्रेयस अय्यर छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं। पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी वनडे में नाबाद 120 रन बनाने वाले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर हैं जबकि एडेन मार्करम (चार पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर), तेम्बा बावुमा (पांच पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर) और मिचेल मार्श (छह पायदान ऊपर 48वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं।

कप्तान सूर्यकुमार यादव छठे और यशस्वी जायसवाल 10वें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस सुधार जारी रखते हुए नौ स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्श और ग्लेन मैक्सवेल क्रमशः चार और 10 स्थान की छलांग लगाकर 25वें और 30वें स्थान पर हैं।

बीजद, कांग्रेस ने ओडिशा में एसआईआर प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में पूर्ण पारदर्शिता की बुधवार को मांग की। यह प्रक्रिया राज्य में 20 वर्षों के अंतराल के बाद अगले महीने शुरू होगी। दोनों दलों ने यह भी घोषणा की कि यदि ओडिशा में ''बिहार जैसी कवायद'' की गई तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे। बिहार में निर्वाचन आयोग श्रेरा विशेष गहन पुनरीक्षण के पहले चरण के तहत तैयार की गई मसौदा मतदाता सूची में 65 लाख से अधिक फार्म ''शामिल नहीं'' किए गए, जिससे कुल पंजीकृत मतदाताओं की संख्या लगभग 7.9 करोड़ घटकर 7.24 करोड़ रह गई। ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आरएस गोपालन ने कहा कि राज्य के सभी राजनीतिक दलों को एसआईआर के बारे में सूचित कर दिया गया है और सितंबर में इसे शुरू करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि संशोधन के तहत राज्य भर में मतदान केन्द्रों की संख्या 38,000 से बढ़कर 45,000 हो जाएगी, जिससे बेहतर पहुंच और मतदाता सुविधा सुनिश्चित होगी। गोपालन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ओडिशा में मतदाता सूची का अंतिम गहन पुनरीक्षण 2002 में किया गया था। बीजद प्रवक्ता लेनिन मोहंती ने कहा, अगर एसआईआर निष्पक्ष रूप से की जाती है, तो हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन बिहार जैसी कवायद सभी को अलग तरह से सोचने पर मजबूर कर देगी। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर स्पष्टता होनी चाहिए।

सुविचार

धैर्य रखने से हारी हुई बाजी भी जीती जा सकती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत-चीन संबंधों में सुधार के संकेत

भारत और चीन के संबंधों में सुधार के संकेत मिलना स्वागत योग्य है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ सीमा पर तनाव कम करने और संबंधित मुद्दों पर बातचीत के बाद जो बयान दिया, उससे इस संभावना को बल मिलता है कि भविष्य में दोनों देश अपने संबंधों को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त और एक सितंबर को तियानजिन में आयोजित होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन का दौरा करेंगे। यह दौरा ऐसे समय में होने जा रहा है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बड़बोलेपन से बाज़ नहीं आ रहे और रूसी तेल आयात को लेकर भारत को टैरिफ की धमकियां दे रहे हैं। भारत-चीन संबंधों में सुधार आने से दोनों देशों को अनेक लाभ हो सकते हैं। दोनों ही दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं। ये दुनिया की कुल आबादी के लगभग 35 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो बहुत बड़ा बाजार, बहुत मांग और बहुत खपत। चीन, भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों देशों के संबंधों में सुधार से व्यापार और निवेश के अवसरों में वृद्धि होगी। इससे लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो सकते हैं। चीन ने इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और अन्य तकनीकी क्षेत्रों में बहुत उन्नति की है। उसने आसान कृषि को बढ़ावा देने के लिए कई यंत्रों का निर्माण किया है। हम उस तकनीक पर काम कर करोड़ों किसानों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में सैनिकों की वापसी और पारस्परिक गश्त की बहाली से दोनों देशों के बीच यकीनन तनाव कम हुआ है। यह न सिर्फ भारत, बल्कि चीन के लिए भी अच्छा है। अत्यधिक ऊंचाई और विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में तनाव बढ़ने और बड़ी तादाद में सैनिकों की तैनाती से दोनों को ही नुकसान होता है। बेहतर होगा कि दोनों देश मिलकर किसी ऐसे समाधान पर पहुंचें, जिससे सैन्य तैनाती की लागत और घटे तथा करोड़ों नागरिकों का जीवन स्तर सुधरे। चीन के साथ भारत का कोई सांस्कृतिक टकराव नहीं रहा है। एक ओर जहां पाकिस्तान मजहब के नाम पर भारत के साथ लगातार टकराव और आतंकवाद की नीति पर अड़ा हुआ है, उसने अपने नागरिकों के मन में नफरत घोल रखी है, वहीं चीन के साथ ऐसा नहीं है। इस देश के साथ हमारे सदियों पुराने मधुर संबंध रहे हैं। प्राचीन काल में चीन से कई विद्यार्थी हमारे विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने आते थे। चीनी यात्री ह्वेन सांग को कौन भूल सकता है! चीनियों के लिए भारत धर्म, ज्ञान और योग की भूमि है। एक आम चीनी के मन में भारत के लिए नफरत नहीं, बल्कि जिज्ञासा है। आज भी भारत के कई योग प्रशिक्षक चीन में कार्यरत हैं। वे बताते हैं कि चीनी उनका बहुत सम्मान करते हैं। उनके बीच रहकर कभी महसूस ही नहीं हुआ कि ये लोग हमसे नफरत करते हैं। चीनी भारतीय संस्कृति, खानपान, पहनावे, त्योहार और सिनेमा से बहुत प्रभावित हैं। उनकी सरकार भले ही कट्टर नास्तिकता को बढ़ावा देती हो, लेकिन एक आम चीनी के मन में आध्यात्मिक जिज्ञासा होती है। वह वाराणसी, बोधगया, हरिद्वार समेत विभिन्न तीर्थों के दर्शन करना चाहता है। इसके अलावा तमिलनाडु, केरल के आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र उसे आकर्षित करते हैं। समस्या चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ है, जो भारत को हमेशा प्रतिद्वंद्वी मानती है। संबंधों में सुधार के लिए उसे अपना रवैया बदलना होगा।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान के मेरे परिवारजनों को नए एयरपोर्ट की बहुत-बहुत बधाई! हमारी सरकार ने कोटा-बूंदी में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट विकसित करने को मंजूरी दी है। इससे देशभर से यहां आने-जाने वालों का हवाई सफर और सुगम होगा, साथ ही पर्यटन एवं रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।

-नरेन्द्र मोदी

गोवत्स द्वादशी के पावन अवसर पर शुभकामनाएँ। सनातन संस्कृति की आधारशिला, सर्वसुखदायिनी गौमाता की कृपा से आप सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आनंद का संचार हो। गौमाता का आशीर्वाद हम सबको सत्मार्ग पर चलने की शक्ति दे ।

-वसुंधरा राजे

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री राजीव गांधी जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन। राजीव जी ऐसे युवा प्रधानमंत्री थे जिन्होंने देश को नई सोच, नीतियों की नई दिशा, सूचना क्रांति और ग्रामीण भारत की प्रतिभाओं को शिक्षा, संचार और नेतृत्व का अवसर दिया।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

मौन में मुखर भक्ति

जब हनुमान जी की दृष्टि एक घायल मोर पर पड़ी, जो राम नाम का जाप नहीं कर रहा था, तो उनका मन व्याकुल हो गया। जहां सभी जीव राम का गुणगान कर रहे थे, वहीं यह मोर नि:शब्द पड़ा था। हनुमान जी ने पूछा, 'हे मोर, तुम राम नाम क्यों नहीं जपते?' मोर मौन रहा। हनुमान जी सोच में पड़ गएक्या यह प्रभु से विमुख है, या इसकी पीड़ा ही इसे मौन बना रही है? इस संशय को लेकर वे श्रीराम और सीता जी के पास पहुंचे और सारी बात विस्तार से बताई। हनुमान की जिज्ञासा सुनकर श्रीराम मुस्कुरा उठे और बोले, हनुमान, यदि तुम जानना चाहते हो कि भक्ति का असली स्वरूप क्या है, तो इस मोर की सेवा करो। न राम नाम सिखाओ, न कोई प्रवचन दो, बस इसे ठीक करो। हनुमान जी ने विनम्रता से आज्ञा स्वीकार की। वे दिन-रात उस मोर की सेवा में लगे रहे। अपने उपचार से उन्होंने उसके घाव तो भर दिए, पर मोर अब भी मौन था। एक दिन, जब हनुमान उसकी सेवा में लीन थे, उन्होंने देखा कि मोर की आंखों से अश्रु बह रहे हैं और उसकी दृष्टि में श्रीराम की छवि स्पष्ट प्रतिबिंबित हो रही है। उस क्षण हनुमान को अनुभूति हुई 'यह तो राम को उसी तरह देख रहा है जैसे मैं।' उनकी आंखें भर आईं।

सामयिक

संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग का ऐसा अपमान किसे स्वीकार्य होगा?

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

गहराई से देखें तो केंद्रीय सत्ता में होने के कारण आरोप भाजपा पर ही है। आखिर चुनाव आयोग ऐसा कर रहा है तो उसके पीछे कुछ लालच या फिर सत्ता का दबाव ही हो सकता है। यानी भाजपा सत्ता पर कब्जा करने के लिए चुनाव आयोग में शीर्ष से नीचे तक ऐसे लोगों की नियुक्तियां करता है जो उनके लिए ही काम करे और न करने वालों के विरुद्ध परोक्ष तरीके से कदम उठाता है।

यह अभूतपूर्व अशोभनीय और अनेक अर्थों में अस्वीकार्य व आपत्तिजनक स्थिति है। देश के कुछ नेता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग के विरुद्ध संसद से सड़क तक अभियान चलाएं इसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी। अगर आईएनडीआईए सांसदों की बैठक में चुनाव आयोग के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव जैसा प्रस्ताव लाने की बात उठी तो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में इससे डरावनी स्थिति कुछ हो ही नहीं सकती। हालांकि इस सत्र का अवसान हो रहा है और इसमें प्रस्ताव आ नहीं सकता। दूसरे, प्रस्ताव आया भी तो सदस्य संख्या के हिसाब से यह गिर जाएगा। किंतु इस पर विचार होना ही अंदर से हिला देने वाला है। चुनाव आयोग ने पत्रकार वार्ता में स्पष्ट बोला है कि या तो जो आरोप लगा रहे हैं उसका प्रमाण दें नहीं तो क्षमा मांगे। दूसरी ओर बिहार में वोट अधिकार यात्रा के नाम से यात्रा कर रहे राहुल गांधी ने सासाराम में यात्रा आरंभ करते हुए कहा कि न हम चुनाव आयोग से डरने वाले हैं और न तेजस्वी यादव। राहुल गांधी और उनके रणनीतिकारों – सलाहकारों तथा इनके पिछले लंबे समय से चुनाव आयोग और संपूर्ण चुनाव प्रणाली की साख पर चोट करने के लगातार अभियानों पर दृष्टि रखने वाले जानते हैं कि उनकी ऐसी ही प्रतिक्रिया आती रहेगी। चुनाव आयोग द्वारा पहले अपने आरोपों पर शपथ पत्र मांगने के विरुद्ध उनकी प्रतिक्रिया थी कि मुझे शपथ पत्र देने की आवश्यकता नहीं। उन्होंने यह तर्क दे दिया कि मैंने संविधान की शपथ लिया है तो उससे बड़ा शपथ क्या हो सकता है। साफ है कि जब वह बार-बार चुनाव आयोग को भाजपा का एजेंट बता रहे हो और आईएनडीआईए के घटकों से उन्हें समर्थन भी मिल रहा हो तो वे क्यों पीछे हटेंगे? भारतीय राजनीति में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति गरिमा और मर्यादा का भाव होता तो चुनाव आयोग के विरुद्ध इस तरह की भाषा प्रयोग नहीं की जाती।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर सबसे बडा हमला करते हुए अपने 1 घंटे 11 मिनट के वक्तव्य में 21 पृष्ठों के पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन से साबित करने की कोशिश की कि चुनाव आयोग भाजपा की मदद करने के लिए मतदाता सूची में जबरदस्त गड़बड़ी करता है और जहां भाजपा को चुनाव में पराजित होना चाहिए वहां मतदाताओं की फर्जी संख्या के आधार पर जीत दिला देता है। चुनाव आयोग के विरुद्ध नई लड़ाई का आरंभ उन्होंने बिहार में 17 अगस्त से 2 सितंबर तक की वोट अधिकार यात्रा से कर दिया। इसका फोकस ही चुनाव आयोग और उसके द्वारा आरंभ एसाईआर यानी विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान है। राहुल गांधी का पूरा अभियान सुनियोजित है। कांग्रेस पार्टी द्वारा एक वेब पोर्टल बनाकर लोगों से कहा गया है कि कि चोरी के वीरुद्ध जवाब दें तथा डिजिटल मतदाता सूची के मांग का समर्थन करें। कहने का तात्पर्य कि लंबी तैयारी से कांग्रेस पार्टी ने इसे आरंभ किया है। चूंकि इस तरह कभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को चुनाव आयोग के विरुद्ध आरोप लगाते और अभियान छेड़ते नहीं देखा गया इसलिए यह निष्कर्ष निकालना कठिन है कि आखिर इसका परिणाम क्या आएगा ? इसका अंत कैसे होगा? इसका अंत होगा या नहीं?

आखिर चुनाव आयोग क्या करे? राहुल गांधी ने कर्नाटक के मध्य बेंगलूरु संसदीय क्षेत्र के महादेवपूरा विधानसभा का अपने दृष्टि से आंकड़ा दिया उस पर पहले ही कर्नाटक चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण आ चुका है। उन्होंने पांच विधानसभा में जीतने और एक में भाजपा के वोट बढ़ जाने से पराजय को चुनाव आयोग की चोरी बता दिया। उनके अनुसार दोनों पार्टियों को मिले वोटों का अंतर 32,707 था लेकिन महादेवपुरा की गणना में अंतर 1,14,046 का रहा। तो 1 लाख से ज्यादा वोटों की चोरी हुई। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा दोनों जगह भाजपा की बढ़त के लिए चुनाव आयोग को ही जिम्मेदार ठहरा दिया। पहले कर्नाटक चुनाव आयोग ने एक महिला मतदाता शकुन रानी द्वारा दो बार वोट डालने के आरोपों का खंडन करते हुए बताया कि आपने जो दस्तावेज दिए उसको मतदान अधिकारी के हस्ताक्षर वाले नहीं थे, आपको कहां से यह जानकारी मिली बताएं? अन्य मतदाता भी सामने आए तथा बताया कि वह उन्होंने एक ही जगह वोट डाला है। राहुल गांधी ने इसका कोई उत्तर नहीं दिया। उनको उत्तर देना भी नहीं है। उनको पता है कि महाराष्ट्र के धुले लोकसभा सीट पर। भाजपा भी पांच विधानसभा में आगे थी लेकिन मालेगांव सेंट्रल में कांग्रेस को 1 लाख 94000 वोट आ गए और वह जीत गई। राहुल गांधी इन तथ्यों से अप्रभावित होकर चुनाव आयोग के विरुद्ध अपने अभियान पर कायम हैं। उनके पहले के आरोपों पर भी चुनाव आयोग ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उत्तर दिया। एक संवैधानिक संस्था की सीमाएं होती है और वह यही कर सकता था। चुनाव आयोग ने वक्तव्य जारी किया कि आप फर्जी मतदाताओं का आरोप लग रहे हैं तो नियम के अनुसार शपथ पत्र दीजिए ताकि निर्धारित प्रक्रिया से जांच की जाए। आयोग ने नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया तो राहुल गांधी सारे विपक्षी सांसदों को लेकर जाने लगे। यह क्या है?

चुनाव आयोग के पास कोई विकल्प बचा नहीं था तभी उसे पत्रकार वार्ता आयोजित कर उत्तर देना पड़ा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एक-एक प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी मतदाता का नाम दो जगह होने का अर्थ नहीं है कि उसने दोनों जगह मतदान किया ही। इसका अर्थ था कि मतदाता सूची बनाने वालों से कई बार गलतियां हो सकती हैं। यह सच है। अपवादस्वरूप पूरे देश में ऐसे मतदाता होंगे जिनके नाम दो स्थानों पर हो सकते हैं। एक जगह पहले नाम रहा हो और उन्होंने वह जगह छोड़ने के बाद दूसरी जगह भी मतदाता के नाते पंजीकरण कराया हो और पहले वाले को रद्द नहीं कराया हो। कुछ लोग ऐसे भी हो सकते हैं जो अवसर मिलने पर दोनों जगह मतदान कर दें। किंतु चुनाव आयोग जानबूझकर योजनापूर्वक ऐसा कर रहा है और वह भी केवल भाजपा का वोट बढ़ाने के लिए यह आरोप भयानक है। अगर चुनाव आयोग किसी पार्टी के पक्ष में है तो हमारी पूरी चुनाव प्रणाली ही पतित है और इसका अंत होना चाहिए। बिना जन आधार के भाजपा चुनाव आयोग द्वारा भ्रष्ट प्रणाली से सत्ता प्राप्त कर रही है तो शासन पर उसकी नैतिक अधिकारही समाप्त हो जाता है। इस तरह यह जघन्य आरोप है। इससे हमारी पूरी लोकतांत्रिक प्रणाली है की साख ही प्रश्नों के घेरे में आ जाती है।

इस दृष्टि से देखें तो राहुल गांधी और उनके सुर में ताल मिलाते विपक्ष के इस अभियान की भयानक गंभीरता समझ में आती है। कहा जा रहा है कि आरोप चुनाव आयोग पर है और जवाब भाजपा दे रही है। चुनाव आयोग भी जवाब दे रहा है।

गहराई से देखें तो केंद्रीय सत्ता में होने के कारण आरोप भाजपा पर ही है। आखिर चुनाव आयोग ऐसा कर रहा है तो उसके पीछे कुछ लालच या फिर सत्ता का दबाव ही हो सकता है। यानी भाजपा सत्ता पर कब्जा करने के लिए चुनाव आयोग में शीर्ष से नीचे तक ऐसे लोगों की नियुक्तियां करता है जो उनके लिए ही काम करे और न करने वालों के विरुद्ध परोक्ष तरीके से कदम उठाता है। किसी पार्टी पर यह आरोप लगाए कि उसकी सत्ता तो केवल चुनाव आयोग द्वारा वोट चोरी करने या लूटने के कारण है तो वह उत्तर देगा या नहीं? दूसरे , सरकार मानती है कि सारे आरोप आधारहीन एवं गलत इरादे से लगाए जा रहे हैं तो उसका स्वाभाविक दायित्व संवैधानिक संस्थाओं पर लगने वाले आरोपों के विरुद्ध खड़ा होना तथा इसका अंतिम सीमा तक खंडन करना है। सत्तासीन पार्टी या घटक द्वारा ऐसा न करने का अर्थ सारे आरोपों को मौन रहकर स्वीकार करना माना जाएगा। चुनाव चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट नहीं है कि वह अपनी ओर से संज्ञान लेकर मुकदमा शुरू कर दे और सजा भी दे दे। लेकिन आरोप लगाना और खंडन करना भी अंतहीन नहीं हो सकता। प्रश्न यही है कि आखिर इस अशोभनीय स्थिति का अंत कैसे हो? उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियां भी राहुल गांधी एवं विपक्ष को नहीं रोक पा रही। इसलिए स्थिति ज्यादा विकेट है।

नजरिया

वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है-विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं।

भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पड़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार माने, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने।

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़ें अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरुआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है-समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। यह विषय एक कार्रवाई का आह्वान है कि उम्र कभी भी भागीदारी और नेतृत्व में बाधा नहीं बननी चाहिए। वरिष्ठों को नेतृत्व के अवसर देना, उनकी कहानियां सुनना, उनकी सलाह लेना, उन्हें रचनात्मक दायित्व सौंपना, यही सच्चे सम्मान का मार्ग है। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जीवन संबंधी जटिल समस्याओं को हल करने में बुजुर्गों की सोच, धैर्य और दृष्टिकोण युवा पीढ़ी की तुलना में अधिक परिपक्व साबित होता है। यदि उन्हें कोई लक्ष्य दिया जाए तो वे अपनी धीमी गति की भरपाई अपने पैने नजरिए और बेहतर योजनाओं से कर लेते हैं। पारदर्शी सोच, परिणामों का आकलन और अच्छे-बुरे का विवेक जैसे गुण बुजुर्गों में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए दफ्तरों, संस्थाओं और घरों में उन्हें उपेक्षित करना अनुचित ही नहीं, बल्कि हमारे लिए नुकसानदेह भी है।

समाज में कई स्तरों पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित न महसूस करें। परिवारों में नियमित रूप से संगोष्ठियां हों जिनमें वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करें। स्कूलों में ग्रैंड-पैरेंट्स डे आयोजित हो, जिससे बच्चे अपने दादा-दादी से सीख सकें और बुजुर्गों को सक्रियता और अपनापन महसूस हो। समाज और धार्मिक संस्थाओं को संयुक्त संगोष्ठियां करनी चाहिए, जहां नई और पुरानी पीढ़ी एक-दूसरे को समझ सके। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और परिवारों को भी बुजुर्गों की क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। छोटे-छोटे आयोजन जैसे परिवार के भोज, स्मृति पुस्तकों का निर्माण, या बच्चों और बड़ों के बीच कौशल साझा करने की गतिविधियां पीढ़ियों के बीच पुल का काम कर सकती हैं। आने वाले वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाएगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की होगी। वृद्धजन समाज और परिवार को ज्ञान, परंपरा और स्वयंसेवा से समृद्ध करेंगे, लेकिन साथ ही उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं, अकेलेपन और सामाजिक उपेक्षा जैसी चुनौतियों का भी सामना करना होगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज से ही एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें उम्र सम्मान और गरिमा की पहचान बने, न कि उपेक्षा की।

प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है।' फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक बड़ी समस्या है। कहावत भी है कि खालीपन सजा भी है और मजा भी है। यह वृद्धावस्था को प्राप्त लोगों पर ही निर्भर है कि वे खालीपन में मजा ले रहे हैं, आनन्द ले रहे हैं या उसे सजा बना रहे हैं। धर्म की जड़ पाताल में और पाप की जड़ अस्पताल में, यह साक्षात अनुभव करते हुए वृद्धजन अपने वृद्धावस्था को उपयोगी बनाये।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की सार्थकता तभी है जब हम वृद्धों की देखभाल करने के दायित्व का निर्वाह ईमानदारी से करें, जिन्होंने कभी हमारी देखभाल की थी, सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। उम्र दरअसल उन वर्षों की गिनती है जिनमें दुनिया ने हमारे साथ यात्रा की है। बुजुर्ग जीवित पुस्तकालय हैं, जिनमें ज्ञान की अनगिनत दुनिया छिपी है। उनका सम्मान करना अपने भविष्य का सम्मान करना है, और यही शक्ति, अनुग्रह और विरासत को सहेजने का मार्ग है। यह दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम बुजुर्गों को केवल जीने के लिए ही नहीं, बल्कि सम्मान और उत्साह के साथ जीने का अधिकार देंगे। हमें अतीत का सम्मान करना है, वर्तमान को संजोना है और सभी उम्र के लोगों के लिए एक समावेशी भविष्य की आशा करनी है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ऑनलाइन मनी गेमिंग में हर साल 45 करोड़ लोग गंवा देते हैं 20,000 करोड़ रुपए : सरकारी अनुमान

नई दिल्ली/भाषा। सरकार का अनुमान है कि ऑनलाइन 'रियल मनी' गेमिंग में हर साल करीब 45 करोड़ लोग लगभग 20,000 करोड़ रुपए गंवा बैठते हैं। एक आधिकारिक सूत्र ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सूत्र ने कहा कि सरकार ने यह माना है कि ऑनलाइन 'रियल मनी' गेमिंग समाज के लिए बड़ी समस्या बन चुकी है लिहाजा राजस्व हानि की आशंका के बावजूद लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देने का फैसला किया गया है।

सूत्र ने कहा, एक मोटा अनुमान है कि 45 करोड़ लोग हर साल गेमिंग गतिविधियों में अपने पैसे गंवा देते हैं। यह नुकसान कुल मिलाकर करीब 20,000 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।

सरकार ने लोकसभा में 'ऑनलाइन गेमिंग (प्रोत्साहन एवं विनियमन) विधेयक, 2025' पेश किया है जिसमें ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सामाजिक गेमिंग को बढ़ावा देने के साथ ही किसी भी प्रकार के धन-आधारित गेमिंग पर प्रतिबंध का प्रस्ताव रखा गया है। इस संबंध में सूत्र ने कहा, धन से जुड़ी ऑनलाइन गेमिंग गतिविधियां समाज के लिए गंभीर समस्या बन चुकी हैं। हर सांसद ने इसके दुष्प्रभावों पर चिंता जताई है। गेमिंग उद्योग के एक-तिहाई हिस्से से मिलने वाले राजस्व और समाज कल्याण के बीच में से सरकार ने समाज कल्याण को चुना है। सूत्र ने कहा कि विधेयक में धन-आधारित गेमिंग में लिप्त पाई जाने वाली इकाइयों पर कार्रवाई मुख्य रूप से राज्य सरकारों के सुपुर्द की गई है।

विधेयक के प्रावधान का उल्लंघन कर धन-आधारित गेमिंग सेवा उपलब्ध कराने वालों को तीन साल तक की कैद या एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। इसी तरह नियमों के विपरीत विज्ञापन करने वालों के लिए दो साल तक की कैद या 50 लाख रुपए तक का जुर्माना अथवा दोनों का प्रावधान है। सूत्र ने कहा कि कई ऑनलाइन गेमिंग मंच खुद को 'कौशल का खेल' बताकर सट्टेबाजी से अलग दिखाने की कोशिश करते हैं। '

सूत्र ने कहा, जहां तक गेम खेलने वालों का सवाल है तो वो पीड़ित हैं, उन पर कोई दंड नहीं लगेगा। कार्रवाई केवल उन पर होगी जो मंच उपलब्ध कराते हैं या लेन-देन सेवाएं मुहैया कराते हैं। उन्होंने बताया कि विधेयक के तहत ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सामाजिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए बजट, योजनाएं और एक प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। यह गेमिंग उद्योग के दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है और रोजगार सृजन में मदद करेगा।

सूत्र ने बताया कि पिछले साढ़े तीन साल से सरकार प्रयास कर रही थी, लेकिन 'रियल मनी' गेमिंग कंपनियां उन्हें दरकिनार कर रही थीं।

सूत्र ने कहा, जीएसटी के जरिये भी उन्हें रोकने की कोशिश हुई थी लेकिन उसे भी दरकिनार कर दिया गया। नियामक संस्था का प्रस्ताव भी हितों के टकराव की वजह से आगे नहीं बढ़ पाया। सार्वजनिक और जनप्रतिनिधियों की शिकायतों के बाद यह विधेयक लाया गया है।

इस बीच, धन-आधारित गेमिंग उद्योग से जुड़े संगठनों ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर चिंता जताई है कि यह विधेयक रोजगार सृजित करने वाले इस उभरते उद्योग को समाप्त कर देगा। ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन, ई-गेमिंग फेडरेशन और फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स ने इस पत्र में कहा है कि ऑनलाइन स्किल गेमिंग उद्योग का मूल्यांकन दो लाख करोड़ रुपए से अधिक है और इसकी वार्षिक आय 31,000 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

गेमिंग संगठनों के मुताबिक, यह उद्योग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में 20,000 करोड़ रुपए से अधिक का योगदान करता है और 2028 तक इसके दोगुना हो जाने का अनुमान है।

बुधवार को नई दिल्ली में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उनके आवास के बाहर मुलाकात के बाद दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा और मनजिंदर सिंह सिरसा।

अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा, हिंदू लड़कियों के जबरन धर्मांतरण में वृद्धि : पाक मानवाधिकार निकाय

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के शीर्ष मानवाधिकार संगठन ने कहा है कि पिछले वर्ष के दौरान धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है, साथ ही हिंदू और ईसाई लड़कियों के जबरन धर्मांतरण व नाबालिगों की शादियों की घटनाएं भी बढ़ी हैं।

पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) श्रेरा मंगलवार को यहां जारी की गई रिपोर्ट 'डर की गलियां: 2024 25 में धर्म या आस्था की स्वतंत्रता' ने देश में अहमदियों, हिंदुओं और ईसाइयों के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता व अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए एक बेहद चिंता जनक वर्ष का दस्तावेजीकरण किया है। रिपोर्ट में कहा गया है, धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जिसमें अहमदिया लोगों की लक्षित हत्याएं और उनके संरक्षित पूजा स्थलों को ध्वस्त करना शामिल है। एचआरसीपी ने कहा कि पंजाब और सिंध प्रांत में हिंदू और ईसाई लड़कियों का लगातार जबरन धर्मांतरण और कम उम्र में विवाह हो रहा है, जिससे बाल विवाह निरोधक कानूनों को लागू करने में व्यवस्थित विफलता उजागर होती है। निकाय ने कहा कि ईशनिंदा के आरोपी, खासकर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की भीड़ श्रेरा हत्या का चलन बढ़ गया है। इसमें कहा गया है, अब सबसे भयावह घटना ईशनिंदा के आरोपी अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की न्यायेतर हत्या की है। इसमें कहा गया है कि ईशनिंदा के आरोपी दो व्यक्तियों को पुलिस ने उस समय न्यायेतर तरीके से मार डाला जब वे उग्र भीड़ से सुरक्षा की मांग कर रहे थे। इसमें यह भी कहा गया है कि ऐसी घटनाएं कानून प्रवर्तन और जवाबदेही तंत्र में सुधार की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बार एसोसिएशनों का झुकाव तेजी से कट्टरपंथी धार्मिक समूहों की सोच की तरफ होना चौंकाने वाला है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह प्रवृत्ति विधि व्यवसाय की स्वतंत्रता को कमजोर करती है।

रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर अमेरिका का भारत पर दबाव डालना अनुचित : रूस

नई दिल्ली/भाषा। रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने बुधवार को कहा कि रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए भारत के खिलाफ अमेरिका की दंडात्मक कार्रवाई से उत्पन्न होने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए रूस के पास एक विशेष तंत्र है। भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद भारत और अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण हुए हैं।

बाबुश्किन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई दिल्ली के साथ अपने देश के संबंधों में तेजी से सुधार होने की उम्मीद जताई और कहा कि विभिन्न सैन्य साजोसामान व उपकरण की आवश्यकता के लिए रूस भारत का पसंदीदा साझेदार रहा है। उन्होंने रूसी तेल की खरीद बंद करने को लेकर भारत पर अमेरिका की ओर से निरंतर दबाव बनाए जाने को अनुचित बताया और कहा कि इस तरह का दृष्टिकोण और प्रतिबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता व ऊर्जा सुरक्षा के लिए हानिकारक है। बाबुश्किन ने कहा, भारत के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है। हमें भारत के साथ अपनी साझेदारी पर भरोसा है। हम दोनों देशों के बीच ऊर्जा संबंधों में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत-रूस ऊर्जा सहयोग बढ़ता रहेगा।

पिछले हफ़्ते, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चेतावनी दी थी कि अगर भारत रूसी कच्चे तेल की ख़रीद जारी रखता है, तो ट्रंप प्रशासन भारत पर शुल्क बढ़ा सकता है। अमेरिका ने रूस के साथ ऊर्जा संबंधों के कारण भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है, लेकिन उसने रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदार चीन के ख़िलाफ़ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की है।

भारत रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों ने मास्को पर प्रतिबंध लगाकर कच्चे तेल की आपूर्ति बंद कर दी थी, जिसके बाद भारत ने कम दामों पर रूसी तेल की खरीद शुरू कर दी थी।

इसके परिणामस्वरूप, कुल तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 2024-25 में बढ़कर 35.1 प्रतिशत हो गई जो 2019-2020 में मात्र 1.7 प्रतिशत थी।

बाबुश्किन ने कहा, प्रतिबंध का असर उन्हें लगाने वालों पर ही पड़ रहा है। हमें विश्वास है कि बाहरी दबाव के बावजूद भारत-रूस ऊर्जा सहयोग जारी रहेगा। उन्होंने कहा, रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और भारत की मांग बढ़ रही है। निस्संदेह, यह हमारी अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सामंजस्य और पूरकता का एक आदर्श उदाहरण है।

बाबुश्किन ने कहा कि दोनों पक्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि रूसी बाजार भारतीय निर्यात का स्वागत करेगा।

रूसी राजदूत ने कहा कि इस साल के अंत में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं।

हॉरर लव स्टोरी 'थामा' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स अपनी हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स के लिए जाना जाता है। 'स्त्री', 'स्त्री 2', और 'भेड़िया' जैसी फिल्मों के बाद अब इस यूनिवर्स की अगली फिल्म 'थामा' आ रही है, जिसका टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है।

इसमें रोमांस के साथ-साथ हॉरर और एक्शन का अनोखा मेल देखने को मिल रहा है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं। टीजर की शुरुआत एक घने जंगल से होती है, जहां आयुष्मान और रश्मिका एक-दूसरे के साथ समय बिता रहे हैं। इस दौरान बैकग्राउंड से आवाज आती है, 'रह पाओगी मेरे बिना? 100 साल तक?' और इस पर एक्ट्रेस जवाब देती है, '100 साल तो क्या, एक पल के लिए भी नहीं।' इस डायलॉग के बाद कहानी भयानक मोड़ लेती है। आयुष्मान और रश्मिका की लव स्टोरी के बीच टीजर में डरावने और थ्रिल से भरपूर सीन आते हैं। जंगल में कुछ अजीब घटनाएं होती हैं। आयुष्मान जानवरों और खतरनाक ताकतों से लड़ते नजर आते हैं।

टीजर की लंबाई करीब 1 मिनट 49 सेकंड है और इसमें कई ऐसे सीन हैं, जिन्हें देख आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। इसमें मलाइका अरोड़ा के डांस की झलक भी है। वहीं, वेब सीरीज 'पंचायत' के 'प्रह्लाद चा' यानी फैसल मलिक भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल जैसे दिग्गज कलाकार भी फिल्म में नजर आएंगे। टीजर के आखिर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी डरावने लुक में दिखते हैं और कहते हैं, ''पिछले 75 सालों से कोई रोमांस नहीं देखा मैंने... चालू रखो।' इस झलक से स्पष्ट है कि फिल्म में रोमांस के साथ-साथ हॉरर, एक्शन, और थ्रिल का जबरदस्त तड़का है। फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। मैडॉक फिल्म्स ने इसे अपनी पहली हॉरर लव स्टोरी बताया है। इंस्टाग्राम पर फिल्म के टीजर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ना डर कभी इतना शक्तिशाली था, और ना प्यार कभी इतना खूनी। 'थामा' दीवाली के आसपास रिलीज होगी।

फिल्म 'अक्षकल आयिरम' की शूटिंग शुरू

नई दिल्ली/भाषा

मलयालम फिल्म ''अक्षकल आयिरम'' का निर्माण शुरू हो गया है जिसमें जयराम और उनके पुत्र कालिदास 22 साल बाद पहली बार साथ काम कर रहे हैं। प्रोडक्शन हाउस, श्रीगोकुलम प्रोडक्शन्स द्वारा साझा किए गए वीडियो में फिल्म के कलाकारों और यूनिट के सदस्यों को एक प्रार्थना समारोह में भाग लेते हुए दिखाया गया है, जो फिल्म की शूटिंग शुरू होने का प्रतीक है। जयराम की बेटी मालविका जयराम भी इस अवसर पर मौजूद थीं। प्रोडक्शन हाउस ने इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ कैप्शन दिया ''पूजा समारोह! अक्षकल आयिरम का सफर शुरू!'' पिता-पुत्र की जोड़ी ने 2003 की फिल्म ''एंते वीदु अप्पुविंतेयुम'' में साथ काम किया था, जिसके लिए कालिदास ने सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था। ''अक्षकल आयिरम'' का निर्देशन जी प्रजित ने किया है और इसकी पटकथा जूड एंथनी जोसेफ और अरविंद राजेंद्र ने लिखी है। फिल्म में आशा सारथ, आनंद मनमदन और ईशानी कृष्णा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। जयराम को आखिरी बार राम चरण अभिनीत फिल्म ''गेम चेंजर'' और तमिल फिल्म ''रेट्रो'' में देखा गया था।

बुसान फिल्म महोत्सव में चयनित हुई असम के फिल्म निर्देशक की पहली फीचर फिल्म

गुवाहाटी/भाषा

असम के फिल्म निर्देशक महर्षि तुहिन कश्यप की पहली फीचर फिल्म 'कोक कोक कूक्कूक' को दक्षिण कोरिया में बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के 30वें संस्करण के 'विजन एशिया खंड' के लिए चुना गया है। बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि कोलकाता के 'सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एसआरएफटीआई)' द्वारा निर्मित यह फिल्म एक जादुई यथार्थवादी 'हॉरर ड्रामा' है। यह फिल्म एक शहर में पहचान के लिए संघर्ष कर रहे प्रवासियों के गहन जीवन को दर्शाती है। जादुई यथार्थवाद और काव्यात्मक कल्पनाशीलता के विशिष्ट इस्तेमाल के लिए पहचाने जाने वाले कश्यप, पहले एक लघु फिल्म निर्माता के रूप में प्रसिद्ध थे। वह अपनी जन्मभूमि असम के गुवाहाटी की एक काफी व्यक्तिगत, लेकिन सार्वभौमिक कहानी लेकर पर्दे पर लेकर आए हैं। निर्देशक ने कहा, ''यह फिल्म असम के उन लोगों को समर्पित है जिन्हें कभी बिना किसी हिचक के विविधता पर नाज होता था। मुझे डर है कि समय और सोच दोनों बदल रहे हैं।''

उन्होंने आशा जताई कि यह फिल्म ''मेरे अस्तित्व और उन सभी लोगों की लड़ाई की गवाही बने जो हर दिन अपनी पहचान के लिए संघर्ष करते हैं।'' एसआरएफटीआई के पूर्व छात्र कश्यप ने इस फिल्म को अपने अंतिम शोध प्रोजेक्ट के रूप में बनाया है जिसमें फिल्म निर्देशक डॉमिनिक सांगमा उनके मार्गदर्शक रहे। कश्यप की लघु फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सराहना मिली है जिनमें कई वैश्विक फिल्म महोत्सवों में दिखायी गयी और कई को पुरस्कार भी मिले हैं। विज्ञप्ति में बताया गया कि बुसान फिल्म महोत्सव में 'कोक कोक कूक्कूक' का वर्ल्ड प्रीमियर न केवल फिल्मकार के लिए बल्कि असम के समकालीन सिनेमा के लिए भी मील का एक पत्थर है जो वैश्विक मंच पर लगातार अपनी पहचान बना रहा है। बीआईएफएफ में विजन एशिया खंड कोरिया और एशिया की अभूतपूर्व कृतियों को प्रस्तुत करता है। 30वां बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 17 से 26 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा।

शंकर महादेवन और उनके बेटों का भक्ति गीत 'जय श्री गणेश' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

गायक शंकर महादेवन ने अपने दोनों बेटों सिद्धार्थ और शिवम महादेवन के साथ मिलकर बुधवार को भक्ति गीत 'जय श्री गणेश' रिलीज किया। यह गीत गणेश चतुर्थी के उत्साह और भक्ति को जीवंत करता है। गायक ने गीत को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'जय श्री गणेश' भगवान गणेश की प्रेरणा से भरा एक उत्सवपूर्ण गीत है। यह भक्ति और आनंद का एक समान मिश्रण है। मुझे खुशी होगी, अगर लोग इस गीत के साथ बप्पा का स्वागत करेंगे। सिद्धार्थ महादेवन ने बताया कि 'जय श्री गणेश' का माहौल बिल्कुल उत्सव मनाने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह गीत सुनते ही किसी का भी तुरंत आरती में शामिल होकर झूमकर नाचने का मन करेगा। शिवम महादेवन ने कहा, अपने पिता और भाई के साथ गणपति बप्पा को समर्पित इस गीत को गाना मेरे लिए बहुत खास है। हम ऐसा गीत बनाना चाहते थे, जो हर घर में खुशियां और उत्सव का माहौल लेकर आए। 'जय श्री गणेश' अब दुनिया भर में टाइम्स म्यूजिक और सभी बड़े म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। इस गीत को भगवान गणेश के लिए एक भव्य भक्ति गीत बताया जा रहा है, जिसका संगीत केदार पंडित ने तैयार किया है और बोल नचिकेत जोग ने लिखे हैं। इससे पहले, शंकर महादेवन ने मुंबई में रेस्टोरेंट्स की एक श्रृंखला शुरू करने की बात कही थी, जिसकी प्रेरणा लेखक आरके नारायण के काल्पनिक शहर मालगुडी से ली गई है। उनके रेस्टोरेंट्स मुंबई के लोकप्रिय इलाकों जैसे चेंबूर, बोरिवली और लोअर परेल में होंगे।

46 साल बाद साथ आ रहे हैं रजनीकांत और कमल हासन

चेन्नई/एजेन्सी

साउथ इंडियन सिनेमा के दो बड़े सुपरस्टार रजनीकांत और कमल हासन की जोड़ी कई फिल्मों में दिखाई दे चुकी है। इनमें 'अपूर्व रागंगल', 'अवल अप्पादिथन', '16 वैयाथिनिले', 'इलामै ऊंजल आदुकिराथु', 'थिल्लू मुल्लू' और 'निनैथले इनिक्कूम' जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं। इन दोनों स्टार्स को साथ में देखने के लिए दर्शक उत्सुक रहते हैं।

इस जोड़ी को आखिरी बार हिंदी फिल्म 'गिरफ्तार' में देखा गया था। यह साल 1985 में रिलीज हुई थी। अब खबर आई है कि करीब 46 साल बाद ये दोनों साथ में एक फिल्म करने जा रहे हैं। इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे साउथ के बेस्ट डायरेक्टर्स में से एक लोकेश कनकराज। इंडस्ट्री इंसाइडर श्रीधर पिल्लई ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर दोनों की एक तस्वीर शेयर करते हुए ये जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दोनों लगभग 46 साल बाद साथ काम करने जा रहे हैं। इससे पहले खबर आई थी कि कुछ दिनों पहले ही लोकेश कनकराज ने दोनों सुपरस्टार्स से मुलाकात कर फिल्म की स्टोरी बताई थी। इस फिल्म को राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल प्रोड्यूस कर सकता है।

कहा जा रहा है कि इस फिल्म में कमल हासन नायक और रजनीकांत खलनायक की भूमिका में दिखाई दे सकते हैं। रजनीकांत हाल ही में कमल हासन की बेटी श्रुति हासन के साथ फिल्म कुली में दिखाई दिए थे। इस फिल्म को लोकेश कनकराज ने ही डायरेक्ट किया है।

इसमें आमिर खान और नागार्जुन जैसे सितारे भी हैं। यह 14 अगस्त को रिलीज हुई थी। दर्शक इस मूवी को काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं कमल हासन की लास्ट मूवी ठग लाइफ थी। इस फिल्म को मणिरत्नम ने डायरेक्ट किया था। ये एक गैंगस्टर ड्रामा थी जिसने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं किया था। कमल हासन लोकेश कनकराज के साथ पहले भी काम कर चुके हैं। उनकी ब्लॉकबस्टर मूवी विक्रम उन्होंने ही डायरेक्ट की थी।

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का हिस्सा होंगे बॉबी देओल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान नेटफ्लिक्स की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं। हालांकि, वे एक्टर नहीं बल्कि एक निर्देशक के रूप में इस सीरीज से डेब्यू करने जा रहे हैं। किंग खान के फैंस इसका इंतजार काफी दिनों से कर रहे थे। इस सीरीज में फेमस बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल भी हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद एक पोस्ट शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर दी है। इसे शेयर करते हुए बॉबी देओल ने लिखा, परदा गिरने का इंतजार कर रहे हो? ये शो परदा फाड़कर आ रहा है। 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का प्रीव्यू आज शाम को आएगा। इस पोस्ट के साथ बॉबी देओल ने एक तस्वीर भी शेयर की है। इसमें वे सेंटर में खड़े नजर आ रहे हैं। उनके साथ इस पोस्टर में राघव जुयाल, मनोज पाहवा, मोना सिंह, लक्ष्य लालवानी, साहिर बांबा और गौतमी कपूर जैसे स्टार भी दिख रहे हैं। मंगलवार को शाहरुख खान का अपने बेटे संग एक वीडियो भी जारी किया गया था। इस वीडियो को नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'प्रीव्यू अभी बाकी है मेरे दोस्त, 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का प्रीव्यू कल जारी किया जाएगा।'

वीडियो में शाहरुख खान और आर्यन खान दोनों नजर आ रहे हैं। पहले शाहरुख आते हैं और कहते हैं, 'पिक्चर तो सालों से बाकी है,' और बाद में आर्यन कहते हैं, 'लेकिन शो तो अब शुरू होगा।' इसके बाद सीरीज से जुड़े किरदारों की झलक दिखाई देती है।बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख के बेटे आर्यन खान ने इस सीरीज को लिखा भी है। इस शो में फिल्म इंडस्ट्री की चमक-दमक, ग्लैमर और गपशप को लोगों के सामने पेश किया जाएगा। इसका प्रीव्यू 20 अगस्त को रिलीज किया जाएगा।कुछ दिनों पहले इसका टीजर रिलीज किया गया था जिसे देखने के बाद फैंस काफी उत्साहित हो गए थे। कहा जा रहा है कि इसमें शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, करण जौहर और कई अन्य कलाकारों के भी कैमियो होंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 21-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अनुपम धर्म को पाकर भी फल की इच्छा करना व्यर्थ है। किसी भी दबाव में आए बिना आत्मा के शुभ परिणाम से इस दूषण को छोड़ें। हमें सही-गलत के लिए शिक्षा ग्रहण नहीं करनी है बल्कि आगे बढ़ने के लिए करनी है। जहां समता आएगी, वहां धर्म के फल में संशय पैदा नहीं होगा। मिथ्या दृष्टि देवों के बाह्य, व्यवहारिक दिखते हुए दान आदि गुणों की प्रशंसा करना, वह मिथ्या मत की प्रशंसा करने के समान है।

महापर्व पर्युषण की शुरुआत हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरुषवाकम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनि जी म.सा. के पावन सान्निध्य में बुधवार से महापर्व पर्युषण का मंगल शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही और वातावरण धर्म, संयम एवं भक्ति रस से सराबोर हो उठा। प्रवचन के दौरान जयवंत मुनि जी म.सा. ने कहा कि पर्युषण केवल कोई साधारण पर्व नहीं, बल्कि आत्मा से परमात्मा को जोड़ने का महामार्ग है। यह राग से वैराग्य की ओर, और सांसारिक मोह से संयम की ओर ले जाने वाला पर्व है। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें मन का गुलाम नहीं बल्कि मन का मालिक बनाने की सीख देता है।

मुनि श्री ने स्पष्ट कहा कि जिनवाणी केवल आठ दिनों या चार महीनों के लिए सुनने का माध्यम नहीं, बल्कि जब तक हमारी सांसें चल रही हैं और हमारे कान सुन सकते हैं, तब तक धर्म की वाणी सुननी चाहिए और उस पर अमल करना चाहिए। धर्म केवल परंपरा या दिखावे के लिए नहीं, बल्कि आत्मा को जागृत करने और भीतर छिपे प्रकाश को प्रकट करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि जो केवल भाग्य की लकीरों पर निर्भर रहता है वह पिछड़ जाता है, लेकिन जो अपनी लकीर स्वयं बनाता है वही आगे बढ़ता है। परिस्थिति कैसी भी हो, मनुष्य अपने जीवन को बेहतर बना सकता है। 'मन के जीते जीत है, मन के हारे हार' इसलिए अपने मन को श्रेष्ठ कर्मों की ओर लगाना चाहिए।

डॉ. समकित मुनि जी ने प्रवचन को आगे बढ़ाते हुए कहा कि पर्युषण आत्म-विजय और आत्म-निर्माण का पर्व है। जीवन में झगड़े पति-पत्नी, परिवार या समाज में होते रहते हैं, लेकिन उनका समाधान बाहर नहीं बल्कि भीतर से संघर्ष कर पाने में है। ?

उन्होंने कहा कि इन पवित्र दिनों का उद्देश्य यही है कि हम स्वयं को भी जीतें और दूसरों को भी जीतने की प्रेरणा दें। आठवें दिन का विशेष महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि इस दिन हमें क्रोध, द्वेष, मतभेद और शत्रुता को त्यागकर सभी से क्षमा मांगनी चाहिए और क्षमा देनी चाहिए। यही वास्तविक क्षमापना का संदेश है।

सुबह प्रार्थना के साथ प्रारंभ हुए इस महापर्व पर्युषण में दिनभर विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें सिद्ध आराधना, शास्त्र वाचन, प्रवचन, मंगल साधना, कल्पसूत्र वाचन, सूर्यास्त के बाद प्रतिक्रमण तथा रात्रि में चौमुखी जाप अनुष्ठान शामिल रहे। वातावरण में भक्ति, अनुशासन और शांति का अद्भुत संगम दिखाई दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, कार्याध्यक्ष मिठालाल पगारिया, देवराज लुनावत कोठारी, अजीत कोठारी, ज्ञानचंद बोकाड़िया सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

मंच का संचालन मंत्री विनय चंद पावेचा ने किया।

आत्म स्मरण और जागरण का पर्व है पर्युषण : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में चातुर्मासार्थ विराजित ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनि जी म.सा. के सान्निध्य व श्री जैन संघ गोपालपुरम-चेन्नई के तत्वावधान में आयोजित अष्ट दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण प्रवचन माला के तहत बुधवार को कपिल मुनिजी म.सा.ने कहा कि हमारा यह सौभाग्य है कि हमें पर्व प्रधान वाले देश की संस्कृति में जन्म लेने का अवसर प्राप्त हुआ है। पर्व पावनता के प्रतीक होते हैं। पर्युषण पर्व एक लोकोत्तर पर्व है जिसका सन्देश और उद्देश्य आत्मा का शुद्धिकरण है। ये पर्व आत्म स्मरण और आत्म जागरण की पावन वेला है। इसका भौतिकता से कोई ताल्लुक नहीं है। इन दिनों में श्रावक श्राविकाएं अपनी हरेक प्रवृति को अध्यात्म रस से अनुप्राणित करते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में जो प्रमाद और भूल का सेवन हुआ है उनका संशोधन करना ही इस पर्व का ध्येय होना चाहिए। जिसने धर्म को छोड़ा उसका सब कुछ नष्ट होकर स्वयं भी नष्ट हो गया। और जिसने धर्म की सुरक्षा की उसका ही सब कुछ सुरक्षित रहा। देव गुरु धर्म के प्रति श्रद्धालु के जीवन में क़दम कदम पर चमत्कार होते हैं। अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि पर्यूषण पर्व के दौरान अष्ट दिवसीय 24 घंटे नवकार महामंत्र का अखण्ड जाप का आरंभ मुनि श्री के मंगल पाठ श्रवण के साथ सवेरे 6 बजे से हुआ। जिसमें श्रद्धालुगण उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। प्रवचन के पूर्व मुनि श्री ने अन्तगढ़ सूत्र का वांचन किया। संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने धर्म सभा का संचालन किया।

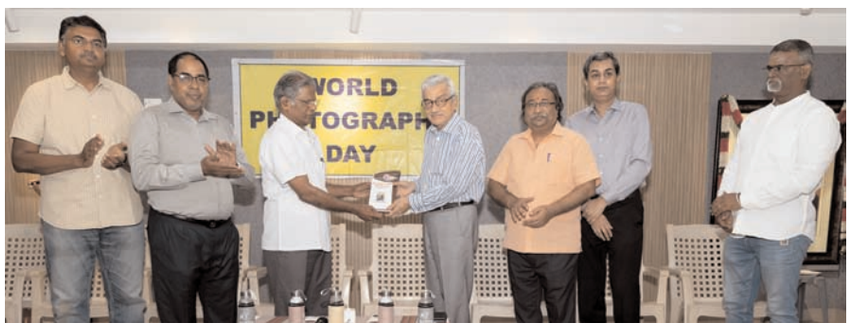

विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास फ़ोटोग्राफ़ी सोसाइटी और जयगोपाल गारोदिया फ़ोटो जर्नलिज़्म अकादमी ने मिलकर 19 अगस्त को अन्ना नगर यू ब्लॉक स्थित स्कूल परिसर में विश्व फ़ोटोग्राफ़ी दिवस मनाया। इस अवसर पर स्कूल के सभागार में सदस्यों की तस्वीरों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। सदस्यों द्वारा खींची गई 127 तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। चेन्नई के प्रसिद्ध फोटोग्राफर जयानंद गोविंदराज मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा 'डिजिटल फोटोग्राफी नवाचार और प्रगति' पर एक व्याख्यान दिया, जिसका खूब स्वागत हुआ।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जिनमें अधिकतर फोटोग्राफर और छात्र थे। यह प्रदर्शनी 23 अगस्त तक स्कूल में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आगंतुकों के लिए खुली रहेगी।

पर्युषण पर्व तप-त्याग और आराधना से सजी पहली आराधना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान और आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी महाराज के पावन सान्निध्य में बुधवार को आठ दिवसीय पर्युषण महापर्व का पहला दिन तप-त्याग और आराधना पूर्वक मनाया गया। इस मौके पर गच्छाधिपति राजयशसूरीश्वरजी के देवलोक गमन पर भावांजलि अर्पित करते हुए बारह नवकार मंत्र का पाठ कर गुणानुवाद किया गया। आचार्यश्री ने उन्हें जिनशासन के महानायक कहकर श्रद्धांजलि दी। आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पर्युषण महापर्व कर्म को भेदने वाला महान पर्व है। उन्होंने पहले दिन श्रावक-श्राविकाओं के लिए बताए गए पांच कर्तव्यों की गहन विवेचना करते हुए कहा कि पहला कर्तव्य है अमारी प्रवर्तन यानी अहिंसा का पालन। दूसरे कर्तव्य साधर्मिक भक्ति की सबसे पहले घर से शुरुआत करें। तीसरा कर्तव्य क्षमापना यानी वैर-वृत्ति को समाप्त करने का मार्ग है क्षमा। चौथे कर्तव्य के बारे में उन्होंने कहा कि एक भव से दूसरे भव में जाने पर एक क्षण भी ऐसा नहीं है, जब हमने आहार नहीं किया हो। इस आहार वृत्ति को नियंत्रित करने के लिए अट्ठम तप की व्यवस्था दी गई है। अंतिम चैत्य परिपाटी के बारे में उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर जाकर आत्मचिंतन करना, वंदन-पूजन करना मन-वचन-काया को शुद्ध करता है। यही वास्तविक चैत्य परिपाटी है।

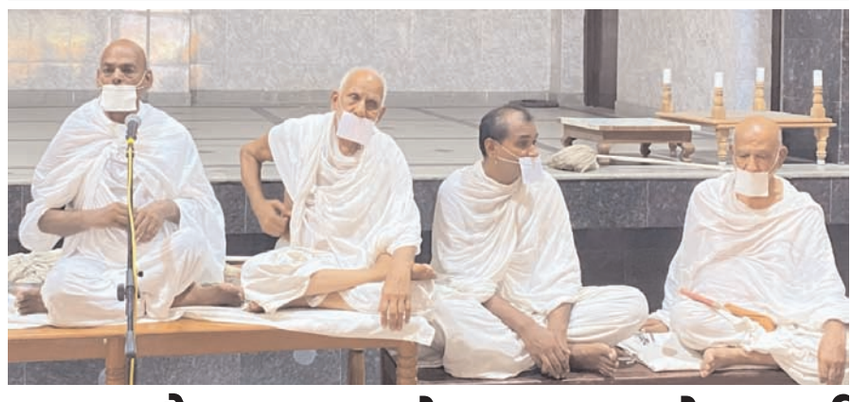

ज्ञान और साधना के माध्यम से संपूर्ण विकास संभव : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि जब तक देह और आत्मा का अलग-अलग आभास नहीं होता, तब तक कितने ही ग्रंथ पढ़ ले, साधना में जिंदगी लगा दे तो भी ज्ञानी नहीं हो सकता। उक्त विचार राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश ने संबोधित करते कहा कि जिसको नश्वर शरीर और आत्मा की अमरता का सच्चा ज्ञान हो गया, वह अनपढ़ और पशु भी महान ज्ञानियों की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा कि शरीर में विद्यमान आत्मदेव को जो नहीं जानता है, वह धर्म और परमात्मा को भी नहीं जान सकता है। अनंत ज्ञान और शक्ति का पुंज हमारी आत्मा है। आत्म तत्व को संसार से निकाल दो सब कुछ शून्य हो जाएगा।

मुनि कमलेश ने कहा कि आत्मा के अस्तित्व को आज के विज्ञान में भी स्वीकार कर लिया है। पुनर्जन्म की सैकड़ों घटनाएं आंखों के सामने आ रही है, जो सभी को सत्य समझने के लिए प्रेरित कर रही है। राष्ट्रसंत ने कहा कि 84 लाख योनि के बाद दुर्लभ मानव जन्म मिला, आत्मा का साक्षात्कार करना है। विश्व के सभी धर्म का मुख्य लक्ष्य है आत्मा की अनंत शक्ति को जागृत और प्रकट करना। इंसान तो क्या पशुओं को भी आत्मज्ञान का बोध हो जाता है वही सच्चा ज्ञानी है। जैन संत ने कहा कि बरगद के छोटे से बीज में पेड़ का विराट स्वरूप छुपा हुआ है वैसे ही हमारी आत्मा विकास करते हुए महान आत्माओं की श्रेणी में आ सकती है। संपूर्ण विकास ज्ञान और साधना के माध्यम से संभव है।

राष्ट्रसंत कमल मुनिजी की पहल पर चेन्नई जैन भवन में नया इतिहास रचा जा रहा है श्वेतांबर जैन के पर्यूषण पर्व दिगंबर समाज मनाएगी और दिगंबर के दस लक्षणपर्व श्वेतांबर समाज मनाएगी। जिसके अंतर्गत दिगंबर जैन समाज श्वेतांबर पर्यूषण पर्व को जैन भवन में आकर मनाएंगे। इसी तरह दिगंबर समाज के 10 लक्षण पर्व दिगंबर जैन मंदिर में जाकर राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश मनाएंगे। यह परस्पर जैन एकता का प्रतीक बनकर उभरेगा। दिगंबर समाज के अध्यक्ष कमल टोलिया ने कहा कि जब हम संसार के काम सभी एक साथ कर सकते हैं तो धर्म के काम एक साथ क्यों नहीं कर सकते। अनिल कासलीवाल राजेश छाबड़ा सभी ने राष्ट्र संत के विचारों का अभिनंदन किया। श्वेतांबर मूर्ति पूजक के वरिष्ठ कार्यकर्ता सुरेश गोलेछा ने कहा कि हमारा आराध्य प्रभु महावीर एक है मोक्ष एक है हम भी एक है सभी पर्व एक साथ मनाएंगे।

साहूकार पेट संघ के अध्यक्ष प्रकाश खिवेसरा और मंत्री संजय पिंचा ने बताया कि यह प्रेम का प्रयोग पूरे देश ही नहीं संसार के लिए आदर्श प्रस्तुत होगा प्रेम और एकता के लिए मिल का पत्थर साबित होगा।

पर्युषण में हमारा जीवन परिवर्तित होता है : साध्वी डॉ प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। श्री कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में चातुमासार्थ विराजित डॉ प्रतिभाश्रीजी म.सा. ने पर्युषण के प्रथम दिवस पर अपने उदबोधन में कहा कि आज हमारे पर्वाधिराज पर्युषण आ चुके है। हमें भूतकालों अवलोकन करने का समय आया है। वर्तमान का मूल्यांकन करना एवं भविष्यकाल का हमें अभिनंदन करना है। पर्युषण हमारे जीवन का परिवर्तन करने के लिए आता है। इन दिनों में हम सभी को उपासना करना चाहिए यह कहने पर्युषण आया है। इन दिनों में आत्मा को अहिंसा का पालन करना, भक्ति-भाव मे रमण कराने और मोह-निर्जरा से जगाने के लिए आया है। कोई भी व्यक्ति जन्म से जैन नहीं होता कर्म से जैन होता है। आज धर्म सभा अंतगड सूत्र के वांचन से प्रारम्भ हुई। दोपहर में साध्वीश्री के सान्निध्य में 'आओ महावीर को जाने' एवं विविध प्रकार कि प्रतियोगिता हुई। जिसमें अनेक महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर अपने ज्ञान की वृद्धि की। मंगलपाठ से सभा का विसर्जन हुआ।

पर्यावरण हितैषी पर्व है पर्युषण : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय प्राकृत अध्ययन व शोध केन्द्र के पूर्व निदेशक साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि पर्युषण पर्व मनाने के सारे निमित्त और उपादान पर्यावरण संवर्धन की प्रेरणा देते हैं।

श्री जैन संघ, अरुम्बाक्कम द्वारा एमएमडीए कॉलोनी स्थित रुक्मणी विद्यालय सभागार में आयोजित पर्युषण व्याख्यानमाला के पहले दिन उन्होंने कहा कि मनुष्य की आदतों का पर्यावरण पर बहुत प्रभाव होता है। पर्युषण में संयमित व त्यागमय दिनचर्या का अभ्यास किया जाता है, जो पर्यावरण रक्षा के लिए आवश्यक है।

पर्युषण के आध्यात्मिक स्वरूप को सांस्कृतिक पर्वों से जोड़ते हुए कवि डॉ. धींग ने कहा कि पर्युषण में आत्म-दीप जलाकर दीपावली मनाई जाती है, विषय विकारों की होली जलाई जाती है और प्राणीमात्र की रक्षा का संकल्प लेकर राखी मनाई जाती है। पर्युषण भारत की समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा का प्रागैतिहासिक लोकोत्तर अनुत्तर महापर्व है।

रत्नसंघ के पूर्व राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष बुधमल बोहरा ने अंतगडदशा सूत्र का वाचन किया। युवा स्वाध्यायी प्रणत धींग ने डॉ. दिलीप धींग की चार कविताएँ सुनाकर शाबाशी पाई।

श्री जैन संघ के मंत्री जंबू कुमार पदावत ने डॉ. धींग का परिचय दिया। अध्यक्ष जसवंतराज कावड़िया ने आभार जताया।

अपनी आवश्यकताओं को सीमित करें : साध्वी उदितयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां तेरापंथ साध्वी उदितयशाजी ने बुधवार को पुर्यषण पर महत्ता के अपने प्रवचन में कहा कि अपनी आवश्यकताओं को सीमित करें यही महापर्व पर्युष्ण का संदेश है। खाना कम करें या न करें, मौन करें या न करें। बोलने की आवश्यकता को कम कर दे जिससे मौन स्वतः हो जाएगा।

साध्वी संगीतप्रभाजी ने श्री जयाचार्य के जीवन का रोमांचक संस्मरण प्रस्तुत करते हुए जयाचार्य के मंत्रवेता, ध्यानयोगी एवं महान साहित्यकार के रूपों का वर्णन किया।

साध्वी भव्ययशाजी ने भोजन को मूलभूत आवश्यकता बताते हुए उसे कैसे कब एवं कितना खाएं इस पर वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत किया। साध्वी भव्ययशाजी एवं साध्वी शिक्षाप्रभाजी ने मधुर गीतिका प्रस्तुत की। साध्वी संगीतप्रभाजी ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

सत्कर्म करते हुए आत्म कल्याण की भावना के साथ आगे बढ़े : वीरेंद्र मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री एस एस जैन संघ स्थानक बजार रोड सैदापेट में विराजित परम श्री वीरेन्द्र मुनिजी म.सा. ने पर्वाधिराज पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि पर्वाधिराज पर्व एक सुनहरा मौका है अपने कर्म निर्जरा का, इसलिए इन 8 दिनों को धर्म आराधना तप जप त्याग आदि करके अपनी आत्मा का कल्याण करे, आगे यह पर्व क्यों हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस मनुष्य जन्म में हम जितना हो सके धर्म आराधना, तप, जप, त्याग, दान पुण्य, सत्कर्म करके अपनी आत्मा का कल्याण करने के भाव रखे इन आठ दिनों में छह काय की रक्षा करे। अभयदान दे, साधर्मिक वात्सल्य करना है। गुरुदेव ने पूज्य हुक्मीचंदजी म. सा. के जीवनी में कहा कि वह एकभवतारी थे 21 वर्ष बेला की तपस्या की। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने परवाधिराज पर्व के कार्यक्रमों की जानकारी दी।

बीजेएस की संवाद यात्रा में हुआ विचारविमर्श

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्द किशोर साखला के नेतृत्व में चल रही तमिलनाडु की संवाद यात्रा के दौरान बीजेस कोयम्बटूर द्वारा जैन समाज के गणमान्य व्यक्तियों के लिए सभा का आयोजन किया गया। स्थानीय राजस्थानी निवास में आयोजित इस सभा में अनेक लोग उपस्थित रहे। सभा का शुभारम्भ बीजेस महिला विंग के सदस्यों ने मंगलाचरण के साथ हुआ। बीजेस तमिलनाडू के सचिव राजेश पोकरना ने संवाद यात्रा का विवरण दिया। राज्याध्यक्ष कमल किशोर तातेड ने अपने विचार व्यक्त किए। चेप्टर अध्यक्ष राकेश गोलेछा ने कोयम्बटूर चेप्टर के अंतर्गत हुए कार्यों का ब्योरा दिया। राष्ट्रीय सचिव दिनेश पानरेचा ने बीजेस के इतिहास के बारे में बताया। राष्ट्राध्यक्ष नन्द किशोर सांखला ने समाज में व्याप्त चुनौतियां और बीजेएस के कार्यकर्त्ताओं की मेहनत, और समाधान के लिए बने विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी विस्तार से दी। जिससे जैन समाज के व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा जुड़ सके और लाभान्वित हो सके। राष्ट्र महासचिव पंकज चोपड़ा ने बीजेस 2.0 के बारे में बताया। बीजेएम महिला विंग ए की राज्याध्यक्ष सरला बरडिया ने अपने विचार रखे। सभा में कई जैन संस्थानों के पदाधिकारी उपस्थित थे। शीतल मालू ने कुन्नूर चेप्टर के कार्यों की जानकारी दी। बीजेस के कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला विग की अध्यक्ष सपना लोढा एवं सचिव संगीता सुराणा की पूरी टीम ने पूरा सहयोग दिया। बबिता श्रीश्रीमाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सभा का संचालन बीजेस तमिलनाडू के संगठन मंत्री धर्मेंद्र श्रीश्रीमाल द्वारा किया गया

वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की राजस्थान परिषद द्वारा परिषद परिवार के सदस्यों के लिए मणिपाल हॉस्पिटल, यशवंतपुर में 15 दिवसीय वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 232 लाभार्थियों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई। शिविर का उद्घाटन परिषद के अध्यक्ष संजय बैद ने किया। शिविर संयोजक पन्नालाल लूनिया, सुशील चोरड़िया, सहसंयोजक विनय बैद एवं दिनेश चोपड़ा ने प्रायोजक हनुमानमल संजय, मनोज बैद परिवार का सम्मान किया। मीडिया प्रभारी दिनेश मरोठी ने सभी को धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.